वर्ष : 34 | अंक : 310 | मुंबई, शुक्रवार, 16 जनवरी 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD
दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

एमएमआर क्षेत्र

राज्य की 29 नगर निगमों के कुल 2,869 वार्डों के लिए मतदान हुआ। इसमें मुंबई नगर निगम की 227 सीटें शामिल हैं। राज्य भर में कुल 15,931 उम्मीदवारों का भाग्य गुरुवार को मतपेटी में बंद है। गौरतलब है कि 9 साल बाद राज्य में हुए नगर निगम चुनावों में मतदान प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद थी। हालांकि, वास्तविकता में कई नगर निगमों में मतदान प्रतिशत में गिरावट देखी गई है।

- **41.08%** मतदान हुआ मुंबई महानगरपालिका में
- **43.96%** मतदान हुआ ठाणे महानगरपालिका में
- **38.69%** मतदान हुआ कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका में
- **45.51%** मतदान हुआ नवी मुंबई महानगरपालिका में
- **34.88%** मतदान हुआ उल्हासनगर महानगरपालिका में
- **38.21%** मतदान हुआ भिवंडी महानगरपालिका में
- **38.34%** मतदान हुआ मीरा-भायंदर महानगरपालिका में
- **45.75%** मतदान हुआ वसई-विरार महानगरपालिका में
- **44.04%** मतदान हुआ पनवेल महानगरपालिका में

महाराष्ट्र निकाय चुनाव : एवीएम में कैद हुई 15,931 उम्मीदवारों की किस्मत, पिछली बार का रिकॉर्ड टूटा

रिकॉर्ड वोटिंग से चमका महाराष्ट्र, अब की बार 46% पार

"भाजपा उम्मीदवार भूषण शिंगणे पर हुए कथित हमले की कड़ी निंदा करते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर हार का आभास होने पर हिंसा का सहारा लेने का आरोप लगाया। जब चुनाव लोकतांत्रिक तरीके से नहीं जीते जा सकते, तो उम्मीदवारों पर हमला करना लोकतंत्र पर हमला करने के अलावा कुछ नहीं है। उन्होंने दावा किया कि शिंगणे को फ्रैक्चर सहित गंभीर चोटें आई हैं। ऐसी घटनाएं भाजपा या उसके अभियान को कमजोर नहीं करेंगी।

- देवेंद्र फडणवीस
मुख्यमंत्री

"शायद ये पहला चुनाव है जिसमें बहुत सारी शिकायतें आ रही हैं। मतदान के बाद जो इंक लगाई जाती है, तुरंत वो निकाली जा सकती है और ये बहुत गंभीर बात है। स्याही को नेल पॉलिश रिमूवर, सेनिटाइज़र से मिटाया जा रहा है, चुनाव आयोग किस लिए है। इसका मतलब ये है कि चुनाव आयोग और सत्ताधारी पक्ष की मिलीभगत है। ये सीधे सीधे लोकशाही की हत्या हो रही है।

- उद्धव ठाकरे
शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख

चुनावी अव्यवस्था

वोटर लिस्ट से गायब हुआ मंत्री का नाम

नवी मुंबई महानगर पालिका चुनाव के दौरान एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। भाजपा के कद्दावर नेता और कैबिनेट मंत्री गणेश नाईक को अपना वोट डालने के लिए एक बूथ से दूसरे बूथ तक घंटों भागदौड़ करनी पड़ी। उन्होंने निराशा व्यक्त करते हुए कहा, "जब मैं वहां गया तो मुझे जो कक्ष संख्या बताई गई थी, वहां मेरा नाम नहीं मिला। इस कारण मैं शुरुआत में अपना वोट नहीं डाल सका।" इसके बाद उन्हें फिर से सेंट मैरी स्कूल जाना पड़ा। वहां भी स्थिति काफी भ्रमित करने वाली थी। मंत्री ने बताया कि उनके परिवार के सभी सदस्य और रिश्तेदार नवी मुंबई की एक ही इमारत में रहते हैं, लेकिन इसके बावजूद उनके

वोटिंग बूथ के बाहर सूची लेकर खुद नाम ढूंढते दिखे मतदाता

मुंबई में बीएमसी चुनाव में वोटिंग बूथ व्यवस्था की अव्यवस्थाएं लगातार सामने आईं। कई इलाकों में मतदाता मतदान केंद्र के बाहर लगी मतदाता सूची में खुद ही अपना नाम ढूंढते नजर आए। सही जानकारी और मदद के अभाव में आम लोगों को यह काम खुद करना पड़ा। बीएमसी चुनाव में सामने आ रही वोटिंग बूथ और मतदाता सूची की गड़बड़ियों का सीधा और नकारात्मक असर मतदान प्रतिशत पर पड़ता दिखा।

रिकॉर्ड वोटिंग

893 वार्ड ⇦ **2,869** सीट ⇦ **46%** कुल मतदान

महाराष्ट्र निकाय चुनाव 2026 की मतगणना से ठीक पहले पूरे राज्य में सियासी माहौल बेहद गरम है। नतीजे आने में कुछ ही घंटे बाकी हैं, लेकिन नेताओं और कार्यकर्ताओं की धड़कनें तेज़ हो गई हैं। किसी के घर में पूजा-पाठ चल रहा है, तो कोई टीवी चैनलों के एग्जिट पोल के आंकड़ों पर रणनीति बना रहा है। "आज की रात बिना नींद के" — यह वाक्य इस समय लगभग हर पार्टी कार्यालय में सच साबित हो रहा है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के वर्षा निवास पर रणनीतिक बैठकें जारी हैं, वहीं उद्धव ठाकरे के मातोश्री पर भी लगातार कार्यकर्ता पहुंच रहे हैं। दोनों खेमों में माहौल वैसा ही है, जैसा किसी परीक्षा की रात होती है, उम्मीदें भी हैं, और बेचैनी भी।

अमित बृज । मुंबई

देश में सबसे अमीर नगर निकाय बृहन्मुंबई महानगरपालिका सहित 29 महानगरपालिकाओं के लिए बृहस्पतिवार शाम 5:30 बजे मतदान संपन्न हो गया। राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) के आयुक्त दिनेश वाघमारे के मुताबिक अब तक 46 से 50 प्रतिशत तक मतदान हुआ है। वाघमारे ने बताया कि मतदान प्रतिशत 2017 के महानगरपालिका चुनावों के आंकड़ों से अधिक है। उन्होंने कहा कि वह मतदान प्रतिशत से संतुष्ट हैं।

दिग्गजों ने डाला वोट

देश के सबसे अमीर महानगरपालिका के 227 पार्षदों को चुनने के लिए सुबह 7 :30 बजे कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान शुरू हुआ जो शाम 5 :30 बजे समाप्त हुआ। निकाय चुनाव में मतदान करने वाले प्रमुख नेताओं में शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे, उनके चचेरे भाई और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) अध्यक्ष राज ठाकरे, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल राम नाइक शामिल हैं। सलमान खान, अक्षय कुमार, आमिर खान, गुलजार, सलीम खान, परेश रावल, हेमा मालिनी, जॉन अब्राहम, सोनाली बेंद्रे, ईशा कोप्पिकर, तमन्ना भाटिया, दिव्या दत्ता और गायक कैलाश खेर जैसी फिल्मी हस्तियों ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया। दिग्गज क्रिकेट खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर, उनकी पत्नी अंजली, बेटी सारा और मुंबई की पूर्व महापौर किशोरी पेडनेकर ने भी अपने-अपने वार्ड में मतदान किया।

मतदान की स्याही पर मचा बवाल

बीएमसी के चुनावों के दौरान गुरुवार को मतदान की प्रक्रिया उस समय विवादों के घेरे में आ गई, जब 'अमिट' कही जाने वाली स्याही ने जवाब दे दिया। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे मार्कर पेन की स्याही साधारण सैनिटाइजर या थिनर से आसानी से मिट रही है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने दादर में मतदान करने के तुरंत बाद अपनी उंगली का निशान दिखाते हुए दावा किया कि स्याही को हाथ धोते ही हटाया जा सकता है। उन्होंने इसे लोकतंत्र के साथ मजाक बताया। वहीं शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कड़े शब्दों में कहा कि यदि स्याही ही मिट रही है, तो बोगस वोटिंग को रोकना नामुमकिन है। ठाकरे बंधुओं द्वारा मतदान की स्याही पर सवाल उठाए जाने के बाद इंटरनेट मीडिया पर उंगली पर लगी स्याही छुड़ाकर दिखाने की बाढ़ सी आ गई। कांग्रेस पार्टी ने इस मुद्दे को लेकर तकनीकी प्रमाण पेश करने की कोशिश की। मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ और सचिन सावंत ने कई वीडियो इंटरनेट मीडिया पर साझा किए, जिनमें मतदाता नेल पॉलिश रिमूवर (एसीटोन) का उपयोग कर सेकंडों में स्याही का निशान मिटाते दिख रहे हैं।

काउंटिंग के लिए की गई है खास तैयारी

- बीएमसी क्षेत्र के 227 निर्वाचन प्रभागों के लिए कुल 23 रिटर्निंग ऑफिसर्स (आरओ) नियुक्त किए गए हैं। प्रत्येक आरओ कार्यालय के अंतर्गत स्ट्रॉन्ग रूम और मतगणना स्थल तय किए गए हैं, जिन्हें लोक निर्माण विभाग (PWD) और पुलिस विभाग से आवश्यक अनुमति प्राप्त है।
- मतगणना कार्य के लिए कुल 2,299 अधिकारी-कर्मचारी तैनात किए गए हैं, जिनमें 759 पर्यवेक्षक, 770 सहायक और 770 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी शामिल हैं।सभी मतगणना अधिकारियों और कर्मचारियों को पूर्व प्रशिक्षण दिया गया है।
- आयुक्त गगराणी ने मतगणना व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए बताया कि सीसीटीवी निगरानी, अग्निशमन और चिकित्सा सुविधाएं, टेबल व्यवस्था, सुरक्षा बंदोबस्त तथा मीडिया के लिए अलग कक्ष की व्यवस्था की गई है।
- मतगणना के दौरान किसी भी तरह की कानून-व्यवस्था की समस्या न हो, इसके लिए पुलिस विभाग के साथ समन्वय स्थापित किया गया है।
- मतगणना केंद्रों में अधिकृत प्रतिनिधि, उम्मीदवार और मीडिया प्रतिनिधियों को ही प्रवेश दिया जाएगा, जिनके पास निर्वाचन विभाग द्वारा जारी पहचान पत्र होगा। परिणामों की घोषणा में पारदर्शिता और सटीकता बनाए रखने के लिए कंप्यूटरीकृत प्रणाली का उपयोग किया जाएगा।

एग्जिट पोल

बीएमसी में तख्ता पलट

- बीएमसी से बाहर होगी उद्धव ठाकरे की शिवसेना
- एग्जिट पोल में BJP+ को स्पष्ट बहुमत

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) चुनाव के लिए मतदान संपन्न होने के बाद अब एग्जिट पोल के नतीजे सामने आ चुके हैं। इस बार का चुनाव कई मायनों में खास रहा, क्योंकि शिवसेना और एनसीपी में विभाजन के बाद पहली बार मुंबई महानगरपालिका के लिए मुकाबला हुआ। एक तरफ बीजेपी और एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने मिलकर महायुति के रूप में चुनाव लड़ा, तो दूसरी ओर उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने गठबंधन कर अपनी ताकत आजमाई। बीएमसी की कुल 227 वार्डों का फैसला 16 जनवरी को आएगा।

Axis My India : BJP+ को 131 से 151 सीटें

Axis My India के एग्जिट पोल में BJP+ को 131 से 151 सीटें, शिवसेना (UBT)+ को 58 से 68 सीटें, कांग्रेस+ को 12 से 16 सीटें, जबकि अन्य को 6 से 12 सीटें दी हैं। बीजेपी गठबंधन को 44 फीसदी महिला और 40 फीसदी पुरुष मतदाताओं का समर्थन मिल सकता है। ठाकरे गठबंधन को 31 फीसदी महिलाओं और 33 फीसदी पुरुषों का वोट मिलने की संभावना है। कांग्रेस और सहयोगियों को 13 फीसदी महिला और 13 फीसदी पुरुष वोट मिल सकते हैं। अन्य दलों को 12 फीसदी महिला और 14 फीसदी पुरुष वोट मिलने का अनुमान है।

DV Research : BJP+ को 107 से 122 सीटें

DV Research के एग्जिट पोल के मुताबिक, बीजेपी की अगुआई वाली महायुति को 107 से 122 सीटें मिलने का अनुमान है। वहीं ठाकरे बंधुओं के गठबंधन को 68 से 83 सीटें मिल सकती हैं। कांग्रेस और वंचित बहुजन अघाड़ी के खाते में 18 से 25 सीटें जाने की संभावना जताई गई है। एनसीपी अजित पवार गुट को 2 से 4 सीटें मिल सकती हैं, जबकि अन्य दलों को 8 से 15 सीटें मिलने का अनुमान है।

JVC : महायुति को 138 सीटें मिलने की उम्मीद

सीटों के लिहाज से JVC ने बीजेपी गठबंधन को 138 सीटें, उद्धव ठाकरे के गठबंधन को 59, कांग्रेस गठबंधन को 23 और अन्य को 7 सीटें मिलने का अनुमान जताया है। वहीं महायुति को 42 से 45 फीसदी वोट शेयर मिल सकता है। ठाकरे ब्रदर्स और शरद पवार के गठबंधन को 34 से 37 फीसदी, कांग्रेस-VBA गठबंधन को 13 से 15 फीसदी जबकि अन्य को 6 से 8 फीसदी वोट मिलने की संभावना है।

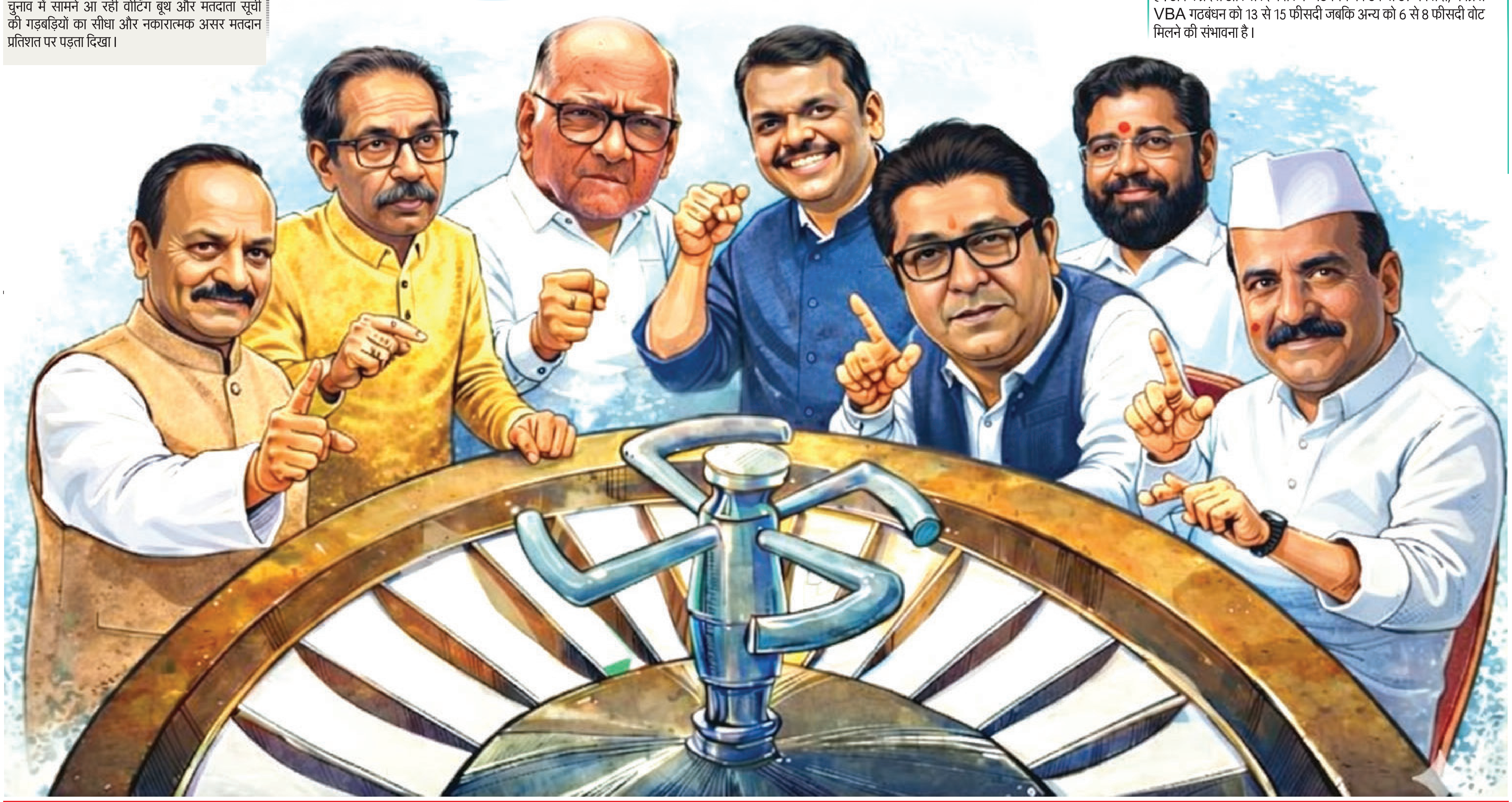

मतदान प्रक्रिया पर सवाल, विपक्ष आक्रामक

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान मतदान प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता को लेकर विपक्ष ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। विपक्षी दलों का आरोप है कि मतदान के दौरान उंगली पर लगाई जाने वाली स्याही पोंछकर दोबारा वोट डालने की आशंका, कई मतदान केंद्रों पर ईवीएम मशीनों में तकनीकी खामियां, वोट डालने के बाद संबंधित बटन की लाइट न जलना और सभी वोट दर्ज होने के बाद बीप की आवाज न आना जैसे मामले सामने आए हैं। इसके अलावा कई मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में नहीं मिलने की शिकायतें भी सामने आई हैं।

राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गुट) की वरिष्ठ नेता और सांसद सुप्रिया सुळे ने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि पुणे के धायरी इलाके में उंगली की स्याही पोंछकर फर्जी मतदान का मामला उजागर हुआ है। इस संबंध में जागरूक नागरिकों ने शिकायतें दर्ज कराई थीं, लेकिन चुनाव आयोग ने कथित तौर पर इन पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। उन्होंने सवाल उठाया कि चुनाव आयोग यह भले ही कहे कि एक बार मतदान के बाद स्याही पोंछने पर भी दोबारा वोट नहीं दिया जा सकता, लेकिन यह गारंटी कौन देगा कि स्याही पोंछकर किसी दूसरे वार्ड में फर्जी मतदान नहीं किया जाएगा? उनके अनुसार पूरी मतदान प्रक्रिया संदेह के घेरे में है और बेहद चिंताजनक है।

स्याही, ईवीएम और मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप, आयोग की भूमिका पर उठे प्रश्न

ईवीएम में तकनीकी खामियों के आरोप

सुप्रिया सुळे ने कहा कि कई मतदान केंद्रों पर ईवीएम में गंभीर गड़बड़ियां सामने आई हैं। कई जगहों पर वोट डालने के बाद यह संकेत देने वाली लाइट नहीं जलती कि वोट किसे गया है, वहीं सभी वोट दर्ज होने के बाद मशीन से बीप की आवाज भी नहीं आती। कुछ स्थानों पर तो मतदान के बाद लोगों को उंगली की स्याही पोंछने के लिए खड़ा किए जाने के आरोप भी लगे हैं, जिससे फर्जी मतदान की आशंका और गहरा गई है।

पैसे बांटने और आयोग की निष्पक्षता पर सवाल

विपक्ष का दावा है कि कई मतदान केंद्रों के बाहर खुलेआम पैसों के वितरण की घटनाएं भी सामने आई हैं। इन गंभीर मामलों के चलते मतदाताओं में भ्रम और चिंता का माहौल है और पूरी चुनाव प्रक्रिया संदेह के भंवर में फंसती नजर आ रही है। सुप्रिया सुळे ने कहा कि मजबूत लोकतंत्र के लिए मतदान प्रक्रिया का पारदर्शी और भरोसेमंद होना जरूरी है, लेकिन मौजूदा हालात इसके उलट दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए पूछा कि आखिर यह त्रुटिपूर्ण प्रक्रिया किसके हित में चलाई जा रही है।

रोहित पवार ने जताई लोकतंत्र को लेकर चिंता

राष्ट्रवादी कांग्रेस के विधायक रोहित पवार ने भी चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए कहा कि पूरे राज्य में चुनाव प्रक्रिया में अव्यवस्था के बावजूद आयोग आत्मसंतुष्टि में लगा हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई जगहों पर मतदान प्रतिशत हर दो घंटे में जारी नहीं किया गया और शाम को एक साथ बढ़ा-चढ़ाकर आंकड़े घोषित किए गए, जिससे फर्जी मतदान की आशंका को बल मिलता है। रोहित पवार ने चेतावनी भरे लहजे में कहा, "आज जिस तरह मतदान की स्याही पोंछी जा रही है, कहीं ऐसा न हो कि कल लोकतंत्र ही पोंछ दिया जाए।"

सोशल मीडिया पर मीम्स की बाढ़

डीबीडी संवाददाता | नासिक

नासिक महानगरपालिका के पंचवर्षीय चुनाव के लिए बुधवार सुबह 7:30 बजे से मतदान की उत्साहपूर्ण शुरुआत हो गई। एक ओर मतदान केंद्रों के बाहर मतदाताओं की लंबी कतारें नजर आईं, तो दूसरी ओर सोशल मीडिया के 'डिजिटल मैदान' में मीम्स और चुटकुलों की बाढ़ सी आ गई।

वोटिंग के बीच फेसबुक, एक्स (ट्विटर), इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप पर मजेदार पोस्ट और तंज भरे संदेश तेजी से वायरल होते दिखे। पांच साल में एक बार मिलने वाले इस 'शाही सम्मान' को लेकर मतदाताओं ने तीखे और मज़ेदार अंदाज़ में नेताओं पर तंज कसे। सुबह से ही व्हाट्सएप स्टेटस पर एक संदेश खूब वायरल हुआ— "पांच साल तक जो साहब हमें पहचानते तक नहीं थे, आज वही साहब हमें पोलिंग बूथ तक छोड़ने दरवाजे पर खड़े हैं। आज पता चला कि असली राजा कौन है!" सोशल मीडिया यूज़र्स ने उम्मीदवारों की अचानक बदली 'नम्रता' पर भी चुटकी ली। एक यूज़र ने लिखा, "ऐसा मौका बार-बार नहीं आता। पत्नी साथ हो तब भी अपना अलग 'मत' दर्ज किया जा सकता है। दोस्तों, मौके का फायदा उठाइए और वोट डालने जरूर जाएं।

मतदान के बीच डिजिटल प्लेटफॉर्म पर गुदगुदाते जोक्स

कार्यकर्ताओं की भागदौड़ बनी मज़ाक

कार्यकर्ताओं की भागदौड़ भी मीम्स का बड़ा विषय बनी। एक चुटकुला वायरल हुआ— "जो आदमी वोट डालने नहीं जा रहा, उसे उठाकर ले जाने की पूरी तैयारी है।" वहीं, स्याही लगी उंगली के साथ सेल्फी लेने के जुनून पर तंज कसते हुए लिखा गया, "नतीजा जो होगा सो होगा, पहले बताओ मेरी सेल्फी पर कौन सा फिल्टर सही रहेगा?"

स्याही लगी उंगली और सेल्फी का क्रेज

उंगली पर लगी स्याही के साथ सेल्फी पोस्ट करने का ट्रेंड भी पूरे जोश में रहा। एक पोस्ट में लिखा गया, "जैसे ही स्याही लग जाए, समझ लीजिए अगले पांच साल आपके काम नहीं होने वाले, लेकिन आज हम सबसे अहम हैं।" कुछ मीम्स में उम्मीदवारों की घबराहट का मज़ाक उड़ाते हुए यहां तक लिखा गया कि वे हर आने-जाने वाले के पैर छूते नजर आ रहे हैं।

चुनावी तनाव से अलग मनोरंजन का रंग

चुनाव जहां उम्मीदवारों के लिए अस्तित्व की लड़ाई है, वहीं आम मतदाताओं के लिए यह दिन सोशल मीडिया पर मीम्स, जोक्स और सेल्फी के जरिए अपनी बात कहने का उत्सव बन गया। मतदान की गंभीरता के बीच डिजिटल दुनिया में यह हल्का-फुल्का माहौल लोगों के चेहरे पर मुस्कान जरूर ले आया।

डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने परिवार संग किया मतदान

मतदाताओं से लोकतंत्र मजबूत करने की अपील

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

राज्यभर में महानगरपालिका चुनाव को लेकर शांतिपूर्ण और उत्साहपूर्ण माहौल में मतदान जारी है। ठाणे में डिप्टी मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपने परिवार के साथ मतदान केंद्र पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस अवसर पर सांसद श्रीकांत शिंदे भी उनके साथ मौजूद रहे।

मतदान के बाद मीडिया से बातचीत में डिप्टी सीएम शिंदे ने कहा कि ठाणे के वागले एस्टेट समेत पूरे शहर में मतदाताओं में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। उन्होंने बताया कि सुबह से ही मुंबई सहित कई इलाकों में मतदान को अच्छा प्रतिसाद मिला है। एकनाथ शिंदे ने कहा, "लोकतंत्र में मतदान सबसे महत्वपूर्ण अधिकार है। शहर के विकास और भविष्य की सुविधाओं के लिए हर नागरिक को अपने मताधिकार का इस्तेमाल करना चाहिए।" चुनाव प्रक्रिया को लेकर उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग पूरी ईमानदारी और सख्ती के साथ काम कर रहा है। यदि कहीं ईवीएम में तकनीकी समस्या आती है, तो उसे तुरंत संज्ञान में लिया जा रहा है ताकि किसी भी मतदाता को मतदान से वंचित न किया जाए। उन्होंने भरोसा जताया कि आयोग पूरी तरह सतर्क है और निष्पक्ष व पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित कर रहा है। डिप्टी सीएम शिंदे ने नागरिकों से बिना किसी डर के अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने की अपील करते हुए कहा कि इस चुनाव में रिकॉर्ड मतदान होने की उम्मीद है।

'भगवा टी-शर्ट' बना विवाद की वजह

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई महानगरपालिका चुनाव के लिए जारी मतदान के बीच 'भगवा टी-शर्ट' को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया। मतदान केंद्रों के बाहर शिवसेना (ठाकरे गुट) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ताओं द्वारा पहने गए भगवे टी-शर्ट, जिन पर 'मुंबईत ठाकरेच' और 'भगवा गार्ड' लिखा था, पर पुलिस ने आपत्ति जताई। वहीं, दक्षिण मुंबई में भगवा टी-शर्ट पहनकर संदिग्ध रूप से घूम रहे कुछ गैर-मराठी युवकों को शिवसैनिकों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

मतदान केंद्रों के बाहर बढ़ा तनाव

गुरुवार सुबह से मुंबई के कई इलाकों में करीब दो हजार कार्यकर्ता 'भगवा गार्ड' के रूप में सक्रिय दिखाई दिए। दोबारा मतदान की जांच और मतदाताओं से पूछताछ के चलते कुछ मतदान केंद्रों के आसपास तनाव का माहौल बन गया। पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए सभी राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं को मतदान केंद्रों से दूर हटने के निर्देश दिए। शिवसैनिकों और मनसैनिकों ने भाजपा कार्यकर्ताओं को भी हटाने की मांग की, जिसके बाद पुलिस ने सभी दलों के कार्यकर्ताओं को वहां से हटाया और स्थिति नियंत्रण में लाई।

मतदान केंद्रों के बाहर हंगामा

'भगवा गार्ड' पर पुलिस की सख्ती

दुबार मतदान और फर्जी वोटिंग रोकने के उद्देश्य से शिवसेना (ठाकरे) और मनसे गठबंधन ने 'भगवा गार्ड' नाम से एक विशेष दल तैनात किया था। इन कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण भी दिया गया था और वे मतदान केंद्रों के बाहर निगरानी कर रहे थे। हालांकि पुलिस ने स्पष्ट किया कि मतदान केंद्र से 100 मीटर के दायरे में किसी भी राजनीतिक दल के कार्यकर्ताओं का मौजूद रहना आदर्श आचारसंहिता का उल्लंघन है। इसके बाद दादर, बोरीवली और दहिसर इलाकों में पुलिस तथा शिवसैनिक–मनसैनिकों के बीच तीखी बहस देखने को मिली।

कांजुर–भांडुप–विक्रोली में 'मराठी अस्मिता' पर विवाद

कांजुर–भांडुप–विक्रोली इलाके में भी छत्रपति शिवाजी महाराज की राजमुद्रा, "मी मराठी" और "मराठी माणसा जागा हो" लिखे टी-शर्ट को लेकर माहौल गरमा गया। कुछ मराठी युवकों द्वारा ऐसे टी-शर्ट पहनने पर अन्य दलों के नेताओं ने आपत्ति जताई और पुलिस में शिकायतें दर्ज कराईं। युवाओं का कहना था कि इन टी-शर्ट पर किसी पार्टी का नाम, चिन्ह या उम्मीदवार का प्रचार नहीं है, इसलिए इसका विरोध अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला है।

दक्षिण मुंबई में बाहरी युवक हिरासत में

दक्षिण मुंबई में मतदान केंद्रों के बाहर भगवा टी-शर्ट पहनकर घूम रहे कुछ गैर-मराठी युवक शिवसैनिकों को संदिग्ध लगे। शिवसेना (ठाकरे) के दक्षिण मुंबई विभाग प्रमुख संतोष शिंदे और अन्य कार्यकर्ताओं ने एक युवक को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। आरोप है कि वह युवक अन्य राज्य से मतदान के दिन मुंबई आया था और उसके साथ और भी लोग मौजूद थे। शिवसैनिकों ने मामले की गहन जांच और अन्य युवकों की गिरफ्तारी की मांग की है। कुल मिलाकर, मतदान के दिन 'भगवा टी-शर्ट' और 'भगवा गार्ड' को लेकर उठा विवाद चुनावी माहौल में अतिरिक्त तनाव और राजनीतिक टकराव का कारण बनता नजर आया।

3 केंद्रों पर होगी बीएमसी चुनाव की मतगणना

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई मनपा चुनाव की मतगणना शुक्रवार को सुबह 10 बजे से शुरू होगी। शहर के विभिन्न हिस्सों में बनाए गए 23 मतगणना केंद्रों में यह प्रक्रिया एक साथ संचालित की जाएगी। राज्य निर्वाचन आयुक्त दिनेश वाघमारे ने जानकारी दी है कि राज्य की सभी 29 महानगरपालिकाओं के चुनावी नतीजे शाम 4 बजे तक घोषित कर दिए जाएंगे। राज्य चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों और आदर्श आचार संहिता का सख्ती से पालन करते हुए मतगणना कराई जाएगी। मुंबई मनपा आयुक्त व जिला निर्वाचन अधिकारी भूषण गगरानी ने मतगणना से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं को अंतिम मंजूरी दे दी है। स्पष्ट किया गया है कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरी की जाएगी। मतगणना के दौरान किसी भी तरह की अव्यवस्था से निपटने के लिए सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती गई है।

मुंबई मनपा क्षेत्र की 227 सीटों के लिए कुल 23 निर्वाचन निर्णय अधिकारियों की नियुक्ति की गई

है। हर अधिकारी कार्यालय के अंतर्गत स्ट्रॉन्ग रूम और मतगणना केंद्र निर्धारित किए गए हैं, जिन्हें पीडब्ल्यूडी और पुलिस विभाग की आवश्यक मंजूरी प्राप्त है। काउंटिंग कार्य के लिए कुल 2,299 अधिकारी और कर्मचारियों को तैनात किया गया है, जिनमें 759 पर्यवेक्षक, 770 सहायक और 770 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी शामिल हैं। सभी कर्मचारियों को पहले ही प्रशिक्षण दिया जा चुका है। मतगणना केंद्रों पर सीसीटीवी निगरानी, अग्निशमन और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। मीडिया के लिए अलग कक्ष और वाहनों की पार्किंग व्यवस्था भी की गई है। परिणामों की घोषणा कंप्यूटरीकृत प्रणाली के माध्यम से की जाएगी ताकि सटीकता और पारदर्शिता बनी रहे। केवल पहचान पत्रधारी अधिकृत व्यक्तियों को ही मतगणना केंद्रों में प्रवेश दिया जाएगा।

भाजपाइयों और शिवसैनिकों के बीच रार

मतदान के दौरान कई प्रभागों में तीखी तकरार, कुछ जगह हाथापाई

डीबीडी संवाददाता | भाईंदर

15 फरवरी को हुए मतदान के दौरान भाईंदर के कई प्रभागों में भाजपा और शिवसेना कार्यकर्ताओं के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। प्रभाग क्रमांक 11, 12, 15 और 16 में दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच तनाव की स्थिति बनी रही, जो कुछ जगहों पर हाथापाई तक पहुंच गई। वहीं प्रभाग क्रमांक 3 में भाजपाइयों और शिवसैनिकों (उबाठा) के बीच तथा प्रभाग क्रमांक 21 में भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच भी विवाद हुआ।

प्रभाग क्रमांक 11 में भाजपा के कुछ कार्यकर्ताओं और उम्मीदवार के साथ शिवसैनिकों की हाथापाई हुई। विवाद बढ़ने के बाद मामला नवघर पुलिस थाने पहुंच गया। यहां भाजपा युवा जिला मोर्चा के अध्यक्ष रणवीर वाजपेयी के नेतृत्व में सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया और पुलिस पर पक्षपातपूर्ण कार्रवाई करने का आरोप लगाया। स्थानीय राजनीतिक हलकों के अनुसार भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता और परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के बीच लंबे समय से चली आ रही वर्चस्व की लड़ाई का असर मतदान से पहले ही दिखने लगा था। जुबानी जंग का नतीजा मतदान के दिन सामने आया, जब वार्ड नंबर 10, 11, 12 और 16 में भाजपा और शिवसैनिकों के बीच विवाद हाथापाई तक पहुंच गया। प्रभाग क्रमांक 3 में शिवसैनिक (उबाठा) और प्रभाग क्रमांक 21 में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ भाजपाइयों की ठन गई। कई मामलों में विवाद पुलिस थाने तक पहुंचा, जिसके बाद पुलिस को हस्तक्षेप कर स्थिति संभालनी पड़ी।

मतदान प्रतिशत

2017 के चुनाव में 47.01 प्रतिशत मतदान हुआ था। चुनाव आयोग से मिली जानकारी के अनुसार इस बार दोपहर 3.30 बजे तक 41.13 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो पिछली बार की तुलना में अधिक बताया जा रहा है। 1997 के चुनाव में स्वर्गीय गिल्बर्ट मेंडोसा और मुजफ्फर हुसैन के बीच राजनीतिक वर्चस्व की पहली बड़ी लड़ाई शहर ने देखी थी। इसके बाद 2007 में भी ऐसा ही माहौल रहा। अब परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक और विधायक नरेंद्र मेहता के बीच चल रही सियासी जंग में असली धुरंधर कौन होगा, इसका फैसला 16 जनवरी को होगा।

ईवीएम शिकायतों पर सरनाईक सक्रिय, शाम तक 60 फीसदी मतदान का दावा

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

मतदान प्रक्रिया के दौरान ठाणे के कुछ मतदान केंद्रों पर ईवीएम मशीनों में तकनीकी गड़बड़ी की शिकायतें सामने आईं, जिससे मतदाताओं को कुछ समय के लिए परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि, तकनीकी खामियों को दूर किए जाने के बाद मतदान की रफ्तार में तेजी आई है। चुनाव अधिकारियों के अनुसार शाम तक करीब 60 प्रतिशत मतदान होने की संभावना जताई जा रही है।

ईवीएम से जुड़ी शिकायतों को लेकर राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने सक्रियता दिखाई और चुनाव अधिकारियों से संपर्क कर मामले को गंभीरता से लेने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदाताओं को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए और मतदान प्रक्रिया पारदर्शी व सुचारू रूप से पूरी की जानी चाहिए।

महायुति से महापौर बनने का भरोसा जताया

मंत्री सरनाईक ने युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने की अपील करते हुए कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए हर वोट महत्वपूर्ण है। इस दौरान उन्होंने पत्नी परिषा सरनाईक, पुत्र विहंग सरनाईक, पूर्वेश सरनाईक, बहू और नजदीकी सहयोगियों प्रकाश यादव व अनिल नलवड़े के साथ मतदान केंद्र पहुंचकर अपना वोट डाला। मतदान के बाद सरनाईक ने भरोसा जताया कि इस चुनाव में महायुति को जनसमर्थन मिलेगा और उसी गठबंधन से महापौर बनेगा।

न कोई दोस्त, न कोई दुश्मन : उमर अब्दुल्ला

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने महाराष्ट्र के नगर निकाय चुनावों को लेकर राजनीतिक हालात पर तीखी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र अब 'अजीबोगरीब राजनीतिक रिश्तों" के दौर में पहुंच चुका है, जहां दोस्त दुश्मन बन रहे हैं और दुश्मन दोस्त। 29 महानगरपालिकाओं के लिए मतदान के बीच राज्य के दौरे पर आए अब्दुल्ला ने मौजूदा राजनीतिक समीकरणों को चौंकाने वाला बताया। पुणे और पिंपरी-चिंचवड में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के दो प्रतिद्वंद्वी गुटों के एक साथ आने और अंबरनाथ व अकोट में भाजपा, कांग्रेस और एआईएमआईएम पार्षदों के चुनाव बाद गठजोड़ का जिक्र करते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा कि महाराष्ट्र की राजनीति में असामान्य स्थिति बन गई है।

लोकतंत्र में मतदान की अहम भूमिका

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत के उस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए, जिसमें उन्होंने मतदान को स्वस्थ लोकतंत्र के लिए जरूरी बताया था, उमर अब्दुल्ला ने सहमति जताई। उन्होंने कहा कि बदलाव लाने के लिए जनभागीदारी सबसे अहम है और इसकी शुरुआत मतदान से होती है। अब्दुल्ला ने कहा बदलाव वही लोग ला सकते हैं जो इसमें भाग लेने के लिए तैयार हों। भागीदारी का मतलब सिर्फ उम्मीदवार बनना नहीं है, बल्कि कम से कम बाहर निकलकर अपने वोट का इस्तेमाल करना भी है।'

दोस्त बने दुश्मन, दुश्मन बने दोस्त

मुंबई में 'इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजीज' (आईआईसीटी) का दौरा करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में अब्दुल्ला ने कहा,'न कोई दोस्त था, न कोई दुश्मन। दोस्त दुश्मन बन गए और दुश्मन दोस्त। ऐसे अजीबोगरीब रिश्ते बन गए हैं।' उन्होंने कहा कि कहीं कांग्रेस और भाजपा साथ आ गईं, कहीं भाजपा और एआईएमआईएम ने हाथ मिला लिया, तो कहीं एक ही पार्टी के दो धड़े फिर से एक हो गए। अब्दुल्ला ने सवाल उठाया कि इन अप्रत्याशित गठबंधनों का चुनाव नतीजों पर क्या असर पड़ेगा, यह देखने के लिए वह भी उत्सुक हैं।

अब जिप चुनाव में मार्कर से नहीं लगेगी स्याही

पहले की तरह डंडी से 'अमिट इंक' का होगा इस्तेमाल

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महानगरपालिकाओं के चुनाव के दौरान मार्कर पेन की स्याही को लेकर उपजे विवाद के बाद निर्वाचन आयोग ने जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि आगामी चुनावों में अब मार्कर पेन का उपयोग नहीं किया जाएगा। इसके बजाय, आयोग ने फिर से पारंपरिक अमिट स्याही (इंडिलेबल इंक) के उपयोग पर मुहर लगा दी है, ताकि मतदान प्रक्रिया की विश्वसनीयता बनी रहे।

मार्कर पेन पर उपजा विवाद और सोशल मीडिया

हाल ही में राज्य की 29 महानगरपालिकाओं में हुए मतदान के दौरान कई मतदाताओं ने आरोप लगाया था कि उनकी उंगली पर लगाई गई मार्कर की स्याही आसानी से मिटाई जा रही है। इससे संबंधित कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए, जिसके बाद विपक्षी दलों ने चुनाव की निष्पक्षता पर सवाल उठाए। इस स्थिति ने निर्वाचन आयोग को अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर दिया।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त का स्पष्टीकरण

राज्य के मुख्य निर्वाचन आयुक्त दिनेश वाघमारे ने एक पत्रकार परिषद में स्थिति को स्पष्ट करते हुए कहा कि मार्कर पेन की स्याही सूखने के बाद सामान्य रूप से नहीं मिटती, लेकिन समाज में इसे लेकर भ्रम फैलाने की कोशिश की जा रही है। हालांकि, जनता और पत्रकारों की चिंताओं को देखते हुए उन्होंने ऐलान किया कि भविष्य के चुनावों में किसी भी तरह के संदेह की गुंजाइश नहीं रखी जाएगी।

अमिट स्याही की वापसी और आगामी चुनाव

निर्वाचन आयुक्त ने पुष्टि की है कि 5 फरवरी को होने वाले जिला परिषद और पंचायत समिति के मतदान में मार्कर पेन के बजाय पारंपरिक 'काड़ी' (डंडी) के माध्यम से अमिट स्याही लगाई जाएगी। इस कदम का मुख्य उद्देश्य दोबारा या फर्जी मतदान की किसी भी संभावना को पूरी तरह से रोकना और चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है।

आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार

पुणे। खून के एक सनसनीखेज मामले में गिरफ्तार आरोपी ने पुलिस को धक्का देकर फरार होने की घटना वडगांव बुद्रुक क्षेत्र में सामने आई है। फरार आरोपी की तलाश पुलिस ने तेज कर दी है और उसके खिलाफ सिंहगड रोड पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है।

फरार आरोपी की पहचान अनिकेत महेश वाघमारे (26 वर्ष, निवासी लक्ष्मी विहार अपार्टमेंट, रोकडोबा मंदिर के पास, हिंगणे खुर्द, सिंहगड रोड) के रूप में हुई है। पुलिस हिरासत से भागने के मामले में वाघमारे के खिलाफ अलग से अपराध दर्ज किया गया है। इस संबंध में रायगढ़ जिले के माणगांव पुलिस थाने में तैनात पुलिस कांस्टेबल श्रीकांत किरवले (29 वर्ष) ने सिंहगड रोड पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

यह मामला भोसरी के युवक आदित्य गणेश भगत (22 वर्ष, निवासी साई रेसिडेंसी, इंद्रायणीनगर, भोसरी; मूल निवासी चोबे पिंपरी, तालुका माढा, जिला सोलापुर) की हत्या से जुड़ा है। आरोप है कि दोस्तों ने ही उसे महाबलेश्वर घूमने ले जाने के बहाने ताम्हिणी घाट में ले जाकर उसकी हत्या कर दी। इस मामले में अनिकेत वाघमारे के साथ तुषार उर्फ सोन्या शरद पाटोळे (24 वर्ष, निवासी सुशील गंगा अपार्टमेंट, कर्वेनगर) को भी गिरफ्तार किया गया था। दोनों के खिलाफ रायगढ़ जिले के माणगांव पुलिस थाने में हत्या का मामला दर्ज है।

बीएमसी चुनाव में रजा मुराद से सुभाष घई तक हस्तियों ने किया मतदान

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र की आर्थिक और सांस्कृतिक राजधानी मुंबई में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव को लेकर लोकतंत्र का उत्सव देखने को मिला। सुबह से ही मतदान केंद्रों पर लंबी कतारें नजर आईं। आम नागरिकों के साथ-साथ फिल्म और मनोरंजन जगत की कई जानी-मानी हस्तियों ने भी मतदान कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी भागीदारी निभाई और लोगों से बढ़-चढ़कर वोट करने की अपील की।

रजा मुराद का संदेश: वोट है सबसे बड़ा अधिकार

वरिष्ठ अभिनेता रजा मुराद ने अंधेरी स्थित मतदान केंद्र पर वोट डालने के बाद कहा कि मतदान नागरिक का जन्मसिद्ध अधिकार ही नहीं, बल्कि उसका कर्तव्य भी है। उन्होंने कहा कि जो लोग मतदान नहीं करते, उन्हें बाद में व्यवस्था की आलोचना करने का नैतिक अधिकार नहीं होना चाहिए। मुराद ने मतदाताओं से अपील की कि वे मतदान को हल्के में न लें।

'वोट को समझें अपना हथियार'

रजा मुराद ने कहा, "वोट पांच साल में मिलने वाला वह हथियार है, जिससे आप अपनी किस्मत और अपने शहर का भविष्य बदल सकते हैं। इसलिए वोट जोश में नहीं, बल्कि पूरी समझदारी और होश में करें।" उन्होंने उम्मीदवारों के कामकाज और योग्यता को देखकर मतदान करने की सलाह दी।

सुभाष घई बोले-विकास और दूरदृष्टि जरूरी

प्रसिद्ध फिल्म निर्माता सुभाष घई ने मुंबई को वैश्विक स्तर की फाइनेंशियल कैपिटल बताते हुए कहा कि शहर को आगे बढ़ाने के लिए दूरदर्शी नेतृत्व जरूरी है। उन्होंने मतदाताओं से आग्रह किया कि वे राजनीतिक पक्षपात से ऊपर उठकर ऐसे उम्मीदवार को चुनें जो आर्थिक विकास, शिक्षा और बुनियादी ढांचे पर ठोस काम कर सके।

ईशा कोप्पिकर की प्राथमिकता: शिक्षा और स्वच्छता

अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर ने कहा कि किसी भी चुनाव में शिक्षा सबसे बड़ा मुद्दा होना चाहिए। उन्होंने स्कूलों की स्वच्छता, सड़कों की हालत और लगातार चलने वाले निर्माण कार्यों से होने वाली परेशानियों को भी अहम बताया। वहीं अभिनेता करण टैकर ने भी मतदान कर युवाओं से लोकतंत्र में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

उंगली से मिट रही वोटिंग स्याही

एमएनएस ने चुनाव आयोग पर लगाए गंभीर आरोप

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में चल रहे स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान मतदान के बाद मतदाताओं की उंगली पर लगाई जाने वाली अमिट स्याही को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। उंगली से स्याही मिटने की शिकायतों ने राजनीतिक हलकों में हलचल बढ़ा दी है। कल्याण से मनसे (MNS) उम्मीदवार उर्मिला तांबे ने इस मुद्दे को सबसे पहले उठाते हुए राज्य चुनाव आयोग पर सत्ताधारी दल की मदद करने का आरोप लगाया है।

फैक्ट चेक में उजागर हुई खामी

मीडिया द्वारा किए गए फैक्ट चेक में सामने आया कि एसीटोन का उपयोग करने पर उंगली पर लगी स्याही आसानी से मिट जा रही है। जांच के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि कथित 'अमिट' स्याही स्थायी नहीं है, जिससे दोबारा मतदान की आशंका जताई जा रही है। मनसे का आरोप है कि ऐसी स्याही का इस्तेमाल फर्जी मतदान को बढ़ावा दे सकता है।

प्रशासन ने मानी तकनीकी कमजोरी

बीएमसी आयुक्त भूषण गगरानी ने स्वीकार किया कि मार्कर पेन से लगाया गया निशान स्थायी नहीं है और उसे हटाया जा सकता है। हालांकि राज्य चुनाव आयोग के जनसंपर्क अधिकारी (PRO) ने सफाई देते हुए कहा कि स्थानीय निकाय चुनावों में वर्ष 2012 से मार्कर पेन का ही उपयोग किया जा रहा है और यह कोई नई प्रक्रिया नहीं है।

उद्धव ठाकरे ने उठाए सवाल

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भी इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मतदान प्रक्रिया में आ रही इन खामियों के लिए राज्य चुनाव आयोग को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि मतदान के बाद स्याही आसानी से मिट रही है, तो आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने मांग की कि चुनाव आयोग की गतिविधियों में अधिक पारदर्शिता लाई जाए, ताकि निष्पक्ष और भरोसेमंद चुनाव सुनिश्चित हो सके।

कैंसर सर्वाइवर टाटा मुंबई मैराथन में लेंगे हिस्सा

उम्मीद का संदेश लेकर दौड़ेंगे

मुंबई। टाटा मुंबई मैराथन (TMM) 2026 में इस वर्ष एक खास पहल देखने को मिलेगी, जब देश के विभिन्न हिस्सों से आए 15 चाइल्डहुड कैंसर सर्वाइवर इसमें हिस्सा लेंगे। इन युवाओं की औसत उम्र 22 वर्ष है और ये सभी बचपन में कैंसर जैसी गंभीर बीमारी को मात दे चुके हैं। रविवार, 18 जनवरी को होने वाली इस मैराथन में वे न सिर्फ दौड़ेंगे, बल्कि कैंसर से जूझ रहे बच्चों और उनके परिवारों के लिए उम्मीद और हौसले का संदेश भी देंगे।

लगातार 16वें वर्ष कैनकिड्स (किड्सकैन – द नेशनल सोसायटी फॉर चेंज फॉर चाइल्डहुड कैंसर) इस प्रतिष्ठित आयोजन से जुड़ रहा है। इस पहल में चाइल्डहुड कैंसर सर्वाइवरों के साथ कैनकिड्स की लीडरशिप टीम, कॉरपोरेट पार्टनर्स और वॉलंटियर्स भी भाग लेंगे।

संघर्ष से सेवा तक का सफर

इन सर्वाइवर्स में विकास भी शामिल हैं, जिन्हें बचपन में रेटिनोब्लास्टोमा हुआ था, जिससे उनकी एक आंख की रोशनी चली गई। कई राज्यों में इलाज और अनेक सर्जरी के बाद मुंबई में उनका सफल उपचार हुआ। इलाज के दौरान कैनकिड्स के सहयोग से आज विकास संस्था की मुंबई कैनशाला से जुड़कर कैंसर पीड़ित बच्चों की पढ़ाई में मदद कर रहे हैं।

दौड़ के साथ विजुअल ट्रिब्यूट

टीएमएम 2026 के दौरान रनर्स संदेश लिखी तख्तियां लेकर दौड़ेंगे, जिन पर कैंसर से जूझ रहे बच्चों की तस्वीरें और उनके सपने अंकित होंगे। कैनकिड्स जोन में 'होप टाइल्स वॉल' भी बनाई जाएगी, जो बच्चों के सपनों से सजी एक प्रेरक गैलरी होगी। कैनकिड्स की संस्थापक और चेयरपर्सन पूनम बगई ने कहा कि संस्था का लक्ष्य भारत में कैंसर से पीड़ित हर बच्चे के लिए समग्र इलाज और देखभाल का मॉडल विकसित करना है। उन्होंने कहा कि टाटा मुंबई मैराथन इस मिशन को राष्ट्रीय मंच प्रदान करती है और यह याद दिलाती है कि उम्मीद, डर से कहीं ज्यादा मजबूत होती है।

'मुख्यमंत्री सौर कृषि वाहिनी 2.0' योजना की गति धीमी

पुणे। किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने और उद्योग–व्यवसायों को सस्ती बिजली देने के उद्देश्य से शुरू की गई राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी 'मुख्यमंत्री सौर कृषि वाहिनी 2.0' योजना गंभीर अड़चनों में फंसती नजर आ रही है। योजना को शुरू हुए दो साल बीत चुके हैं, लेकिन अब तक कुल लक्ष्य का 20 प्रतिशत भी पूरा नहीं हो पाया है। यह वही परियोजना है, जिसे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य के लिए 'गेम चेंजर' बताते हुए बिजली को सस्ता करने का दावा किया था।

इस योजना के तहत 0.5 से 25 मेगावॉट क्षमता वाले कृषि भार वाले वितरण उपकेंद्रों के 5 से 10 किलोमीटर के दायरे में विकेंद्रीकृत सौर परियोजनाएं स्थापित की जानी थीं। राज्यभर में करीब 17,000 मेगावॉट क्षमता के सौर प्रोजेक्ट शुरू करने का लक्ष्य रखा गया था। हालांकि दो वर्षों में केवल 3,300 मेगावॉट यानी लगभग 20 प्रतिशत लक्ष्य ही पूरा हो सका है।

केंद्र से मिलने वाला अनुदान भी अधर में

महावितरण ने राज्य विद्युत नियामक आयोग को दिए प्रस्ताव में बताया था कि समय पर पूरी होने वाली परियोजनाओं को केंद्र सरकार की ओर से प्रति मेगावॉट 1.05 करोड़ रुपये का अनुदान मिलेगा। इसके तहत मार्च 2024 में 9,156 मेगावॉट क्षमता के करीब 2,000 सौर प्रोजेक्ट्स के ठेके दिए गए थे।

इन परियोजनाओं से महावितरण को 3 .09 रुपये प्रति यूनिट से कम दर पर बिजली मिलने की उम्मीद थी।

छठी लाइन के कार्य के लिए पश्चिम रेलवे का मेजर ब्लॉक

मुंबई। पश्चिम रेलवे द्वारा कांदिवली और बोरीवली सेक्शन के बीच छठी लाइन के निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए 20/21 दिसंबर, 2025 की रात से 30 दिनों का ब्लॉक लिया जा रहा है, जो 18 जनवरी, 2026 तक जारी रहेगा। इस ब्लॉक के कारण पश्चिम रेलवे की कई ट्रेन सेवाएं प्रभावित होंगी।पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, उपर्युक्त कार्य के संबंध में 16/17 एवं 17/18 जनवरी, 2026 की रात्रि के दौरान बोरीवली और मालाड के बीच अप फास्ट लाइन पर रात 23:15 बजे से 03:15 बजे तक तथा डाउन फास्ट लाइन पर 01:00 बजे से 04:30 बजे तक मेजर ब्लॉक लिया जाएगा। इस ब्लॉक तथा पांचवीं लाइन के निलंबन तथा लगाए गए गति प्रतिबंध के कारण कई उपनगरीय सेवाएं निरस्त रहेंगी। इस दौरान 17 जनवरी, 2026 को अप और डाउन ट्रेनें मिलाकर कुल 120 उपनगरीय ट्रेनें निरस्त रहेंगी। इसी प्रकार 18 जनवरी, 2026 को भी अप और डाउन ट्रेनें मिलाकर कुल 120 उपनगरीय ट्रेनें निरस्त रहेंगी। इस

संबंध में विस्तृत जानकारी संबंधित स्टेशन मास्टरों के पास उपलब्ध है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि उपर्युक्त परिवर्तन को ध्यान में रखकर यात्रा की योजना बनाएं।

पश्चिम रेलवे

सिग्नल एवं दूरसंचार कार्य

वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता/उत्तर/मुंबई सेंट्रल (Sr. DSTE/N/MMCT),द्वितीय तल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय,मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400008 **ई-टेंडर सूचना सं.: SG_216_2_136_WA दिनांक: 12.01.2026 आमंत्रित करते हैं। कार्य का विवरण एवं स्थान:**मुंबई मंडल के उकाई–सोनगढ़–जलगांव सेक्शन में ADEN (NDB) क्षेत्राधिकार के अंतर्गत कुल 30 स्पैन में मौजूदा स्टील गर्डर को प्रीकास्ट PSC स्लैब से बदलने के संबंध में सिग्नल एवं टेलीकॉम बाह्य कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत:** 71,24,180.95/- **जमानत राशि (EMD):** 1,42,500/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 24.02.2026 को 15:00 बजे तक **निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** 24.02.2026 को 15:30 बजे अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ।

1001

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

आशा वर्करों का चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप

समय पर नाश्ता-पानी नहीं, खाली पेट कराई गई लंबी ड्यूटी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई महानगरपालिका चुनाव 2026 के दौरान चुनाव आयोग की व्यवस्थाओं पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। मतदान सुबह 7:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक चला, लेकिन बूथ लेवल ऑफिसर (BLO) के रूप में तैनात आशा वर्करों को समय पर न तो नाश्ता मिला और न ही पानी। कई वर्करों को घंटों तक खाली पेट ड्यूटी करनी पड़ी।

आशा वर्करों का आरोप है कि कागजों में नाश्ता और पानी की व्यवस्था दिखाई गई, लेकिन हकीकत में यह सुविधा काफी देर से पहुंची। जब तक नाश्ता-पानी मिला, तब तक कई कार्यकर्ता कमजोरी और चक्कर जैसी समस्याओं से जूझने लगी थीं।

चुनाव ड्यूटी पर तैनात शशिकला जैसवार ने कहा, "एक तो जबरदस्ती की ड्यूटी लगाई और ऊपर से खाने-पीने की व्यवस्था उचित तरीके से नहीं की गई। सुबह से लगातार काम कराया गया। नाश्ता और पानी बहुत बाद में दिया गया, लेकिन तब तक हम सभी पूरी तरह थक चुके थे।"

स्वास्थ्य से खिलवाड़ का आरोप

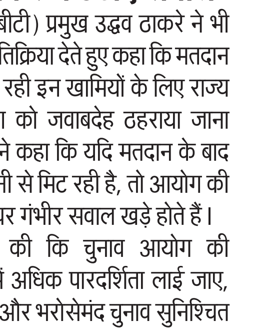

आशा वर्करों ने सवाल उठाया कि जब मतदान जैसे संवेदनशील कार्य में कर्मचारियों को पूरे दिन तैनात किया जाता है, तो उनकी बुनियादी जरूरतों की अनदेखी क्यों की जाती है। लगातार खड़े रहकर मतदाताओं को मार्गदर्शन देना और मतदान प्रक्रिया पर नजर रखना आसान नहीं होता। ऐसे में समय पर भोजन और पानी न मिलना सीधे तौर पर कर्मचारियों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है।

वर्करों का कहना है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। हर चुनाव में इसी तरह की समस्याएं सामने आती हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी केवल औपचारिकताओं तक सीमित रह जाते हैं। जमीनी स्तर पर काम करने वाली आशा वर्करों की परेशानियों को गंभीरता से नहीं लिया जाता।

आंदोलन की चेतावनी

इस लापरवाही को लेकर आशा वर्करों में भारी आक्रोश है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि भविष्य में चुनाव ड्यूटी के दौरान समय पर नाश्ता, भोजन और पानी की समुचित व्यवस्था नहीं की गई, तो वे चुनाव आयोग के खिलाफ संगठित विरोध और आंदोलन करने को मजबूर होंगी। यह मामला लोकतंत्र की रीढ़ माने जाने वाले चुनाव तंत्र पर गंभीर सवाल खड़ा करता है।

मार्कर विवाद पर सीएम फडणवीस का पलटवार

बोले– हार से पहले बहाने ढूंढ रहा विपक्ष

मुंबई/नागपुर। महाराष्ट्र में चल रहे स्थानीय निकाय चुनावों के बीच वोटिंग के बाद उंगली पर लगाए जाने वाले मार्कर को लेकर उठे विवाद पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला है। गुरुवार को नागपुर में मतदान करने के बाद मीडिया से बातचीत में सीएम फडणवीस ने कहा कि विपक्ष अपनी संभावित हार को देखते हुए अनावश्यक मुद्दे खड़े कर रहा है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपनी पत्नी अमृता फडणवीस और मां के साथ मतदान किया और उंगली पर लगी स्याही दिखाते हुए कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान बेहद जरूरी है।

उन्होंने कहा, "वोट देना सिर्फ अधिकार नहीं, बल्कि कर्तव्य है। अगर हम अच्छा प्रशासन चाहते हैं, तो हर नागरिक को मतदान करना चाहिए।"

राज ठाकरे के आरोपों पर जवाब

मार्कर स्याही को लेकर एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे के आरोपों पर सीएम फडणवीस ने कहा, "मेरी उंगली पर भी मार्कर लगाया गया है। क्या यह मिट रहा है? चुनाव आयोग को तकनीकी पहलुओं पर ध्यान देना चाहिए और जरूरत हो तो बेहतर विकल्प अपनाना चाहिए, लेकिन हर बात पर हंगामा करना गलत है।" उन्होंने स्पष्ट किया कि चुनाव निष्पक्ष हो रहे हैं और बेवजह सवाल उठाना लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करता है।

फडणवीस ने नागपुर में भाजपा उम्मीदवार भूषण शिंगणे पर कथित हमले का जिक्र करते हुए कहा कि चुनाव में हार सामने देखकर विपक्ष हिंसा और आरोपों का सहारा ले रहा है। उन्होंने कहा, "ऐसी घटनाएं लोकतंत्र पर हमला हैं, लेकिन जनता इसका करारा जवाब देगी।

पश्चिम रेलवे

सामग्री प्रबंधन विभाग

विभिन्न सामग्रियों की आपूर्ति

ई-प्रोक्योरमेंट टेंडर सूचना संख्या: S/03/2026 दिनांक: 12.01.2026

क्र.सं.	वस्तु का संक्षिप्त विवरण	मात्रा	टी.ओ.डी.
21	सभी मानक सहायक उपकरणों सहित वेल्डिंग सिम्युलेटर	12 नग	16-मार्च-2026
22	पुनर्योजी ब्रेक के लिए 16" ब्रेक यूनिट	125 नग	02-मार्च-2026
23	पिनियन सहित पूर्ण ट्रैक्शन मोटर	4 नग	23-फरवरी-2026
24	एलईडी सिग्नल लाइटिंग यूनिट – शंट	4711 नग	17-फरवरी-2026
25	रूट इंडिकेटर के लिए एलईडी सिग्नल लाइटिंग यूनिट	5521 नग	13-फरवरी-2026
26	मुख्य एलईडी सिग्नल लाइटिंग – पीला संकेत (येलो एस्पेक्ट)	4912 नग	11-फरवरी-2026
27	मुख्य एलईडी सिग्नल लाइटिंग – लाल संकेत (रेड एस्पेक्ट)	3162 नग	09-फरवरी-2026
28	मुख्य एलईडी सिग्नल लाइटिंग – हरा संकेत (ग्रीन एस्पेक्ट)	2265 नग	09-फरवरी-2026
29	लेड एसिड बैटरियाँ, 75 एएच	64 सेट	06-फरवरी-2026
30	आरडीएसओ ड्राइंग संख्या T-5919 के अनुरूप मार्क-V इलास्टिक रेल क्लिप्स (ERC) की आपूर्ति हेतु एक वर्ष का रनिंग कॉन्ट्रैक्ट	49,72,365 नग	05-फरवरी-2026

शुद्धिपत्र

कृपया टेंडर सूचना संख्या S-67-2025, दिनांक 13.11.2025 के क्रम संख्या 629 में उल्लिखित ड्यू डेट को संशोधित कर "26.01.2026" पढ़ा जाए।

विस्तृत टेंडर सूचना, ईएमडी, खरीद प्रतिबंध तथा विस्तृत टेंडर शर्तों के संबंध में कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in एवं wr.indianrailways.gov.in पर अवलोकन करें।

1003

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फालो करें: x.com/WesternRly

संपादकीय

मतदान: शहरी लोकतंत्र की चुप्पी

महानगर पालिका चुनाव 2026 के अंतिम मतदान आंकड़े सामने आ चुके हैं। राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार महाराष्ट्र की 29 महानगरपालिकाओं में कुल मतदान लगभग 46 से 50 प्रतिशत के बीच सिमट गया। यानी हर दो में से एक नागरिक ने अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं किया। यह आंकड़ा केवल एक सांख्यिकीय विवरण नहीं है, बल्कि शहरी लोकतंत्र की सेहत पर गहराता हुआ सवाल है। लोकतंत्र में चुनाव उत्सव होना चाहिए, लेकिन जब आधी आबादी इस उत्सव से दूर रहे, तो यह स्थिति गंभीर चिंतन का विषय बन जाती है। महानगर पालिका चुनावों का महत्व किसी विधानसभा या लोकसभा चुनाव से कम नहीं होता। पानी, सड़क, सफाई, स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन और आपदा प्रबंधन जैसी बुनियादी सेवाओं का सीधा संबंध नगर प्रशासन से है। इसके बावजूद जब मुंबई, पुणे, ठाणे, नागपुर जैसे महानगरों में मतदान 50 प्रतिशत की दहलीज भी मुश्किल से छू पाए, तो यह साफ संकेत है कि लोग लोकतांत्रिक हिस्सेदारी से कटते जा रहे हैं। इस गिरते विश्वास के पीछे पहला कारण है — व्यवस्था से मोहभंग। शहरी मतदाता यह महसूस करने लगा है कि चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का खेल बनकर रह गए हैं। चेहरे बदलते हैं, दल बदलते हैं, लेकिन समस्याएं जस की तस बनी रहती हैं। टूटी सड़कें, जलभराव, कचरा, प्रदूषण और स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली हर चुनाव के बाद भी वैसी ही रहती है। जब वर्षों तक कोई ठोस सुधार दिखाई नहीं देता, तो मतदाता यह सोचकर पीछे हट जाता है कि उसके एक वोट से क्या बदलेगा। दूसरा बड़ा कारण है राजनीतिक विमर्श का पतन। महानगर पालिका चुनाव स्थानीय विकास के मुद्दों पर लड़े जाने चाहिए थे, लेकिन वे अक्सर राष्ट्रीय राजनीति की परछाई बनकर रह जाते हैं। भावनात्मक मुद्दे, ध्रुवीकरण और आरोप-प्रत्यारोप नगर प्रशासन की वास्तविक जरूरतों को पीछे धकेल देते हैं। परिणामस्वरूप शहरी मतदाता, जो अपेक्षाकृत अधिक जागरूक और प्रश्न पूछने वाला होता है, इस राजनीति से खुद को अलग कर लेता है। तीसरा पहलू है शहरी जीवन की जटिलता और उदासीनता। महानगरों की तेज रफ्तार जिंदगी, काम का दबाव, लंबी कतारें और मतदान प्रक्रिया की असुविधाएं भी मतदान से दूरी बढ़ाती हैं। लेकिन यह तर्क लोकतंत्र के संदर्भ में कमजोर पड़ जाता है, क्योंकि मतदान सुविधा नहीं, नागरिक कर्तव्य है। चौथा और सबसे चिंताजनक कारण है युवा मतदाताओं की निष्क्रियता। सोशल मीडिया पर राजनीतिक बहसों में सबसे आगे रहने वाला युवा वर्ग मतदान के दिन सबसे पीछे नजर आता है। ऑनलाइन असंतोष और ऑफलाइन निष्क्रियता का यह विरोधाभास आने वाले समय में लोकतंत्र को और कमजोर कर सकता है। यह भी स्वीकार करना होगा कि कम मतदान के लिए केवल नागरिकों को दोषी ठहराना उचित नहीं। राजनीतिक दलों की उम्मीदवार चयन प्रक्रिया, स्थानीय संवाद की कमी, पारदर्शिता का अभाव और प्रशासनिक उदासीनता भी मतदाता को दूर करती है। जब चुनाव एक औपचारिक प्रक्रिया बन जाए और नागरिक को यह महसूस न हो कि उसकी राय का कोई मूल्य है, तो मतदान प्रतिशत गिरना स्वाभाविक है। 46–50 प्रतिशत मतदान एक चेतावनी है। यह बताता है कि शहरी लोकतंत्र जीवित तो है, लेकिन कमजोर हो रहा है। यदि यही प्रवृत्ति जारी रही, तो नगर प्रशासन पर जनता का नैतिक दबाव खत्म हो जाएगा और निर्णय सीमित लोगों के हाथों में सिमट जाएंगे। समाधान केवल अपीलों में नहीं, बल्कि भरोसा लौटाने में है। स्थानीय मुद्दों को केंद्र में लाना, जवाबदेही तय करना और नागरिकों को यह एहसास कराना जरूरी है कि उनका वोट सिर्फ एक बटन दबाने की क्रिया नहीं, बल्कि शहर के भविष्य की दिशा तय करने का माध्यम है।

शख्सियत | महादेव गोविंद रानाडे

आधुनिक भारत के निर्माता और समाज सुधारक

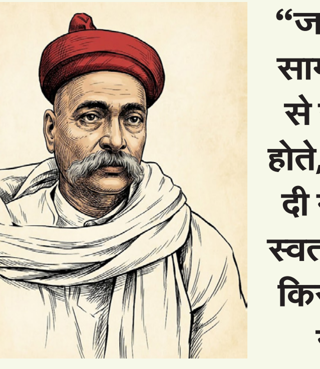

“जब तक आप सामाजिक रूप से स्वतंत्र नहीं होते, कानून द्वारा दी गई कोई भी स्वतंत्रता आपके किसी काम की नहीं है।”

महादेव गोविंद रानाडे (जन्म 18 जनवरी 1842 - अवसान 16 जनवरी 1901) आधुनिक भारतीय इतिहास के उन देदीप्यमान नक्षत्रों में से एक हैं, जिन्होंने न केवल न्यायपालिका में अपनी छाप छोड़ी, बल्कि समाज सुधार, राजनीति और अर्थशास्त्र के क्षेत्र में भी नए प्रतिमान स्थापित किए। उन्हें 'महाराष्ट्र का सुकरात' और 'पश्चिम भारत के पुनर्जागरण का अग्रदूत' कहा जाता है। रानाडे का जन्म 18 जनवरी 1842 को नासिक के पास निफाड़ में हुआ था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा कोल्हापुर में हुई और उच्च शिक्षा के लिए वे मुंबई के प्रसिद्ध एल्फिंस्टन कॉलेज गए। वे कुशाग्र बुद्धि के धनी थे और बॉम्बे यूनिवर्सिटी के पहले स्नातक (बी.ए.) बैच के छात्र रहे। इसके बाद उन्होंने एम.ए. और वकालत की डिग्री हासिल की। उनकी विद्वता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वे जल्द ही बंबई उच्च न्यायालय के न्यायाधीश नियुक्त किए गए।

रानाडे केवल एक न्यायाधीश नहीं थे, वे एक दूरदर्शी समाज सुधारक थे। उनका मानना था कि जब तक भारतीय समाज अपनी आंतरिक बुराइयों को दूर नहीं करेगा, तब तक वह राजनीतिक स्वतंत्रता के योग्य नहीं बन पाएगा। प्रार्थना समाजः उन्होंने प्रार्थना समाज के माध्यम से हिंदू धर्म में व्याप्त कुरीतियों जैसे मूर्तिपूजा और कर्मकांडों के विरुद्ध आवाज उठाई।

विधवा पुनर्विवाहः उन्होंने 1861 में 'विधवा विवाह संघ' की स्थापना की। उस समय हिंदू समाज में विधवाओं की स्थिति अत्यंत दयनीय थी। रानाडे ने न केवल इसका प्रचार किया बल्कि स्वयं भी इसके लिए सामाजिक विरोध का सामना किया। शिक्षा का प्रसारः उन्होंने 'डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी' की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसके तहत पुणे में फर्ग्यूसन कॉलेज जैसे संस्थानों की नींव रखी गई।

राजनीतिक और आर्थिक विचार

रानाडे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के संस्थापकों में से एक थे। वे एक नरमपंथी विचारक थे जो क्रमिक संवैधानिक सुधारों में विश्वास रखते थे। गोपाल कृष्ण गोखले उन्हें अपना 'राजनीतिक गुरु' मानते थे, और बाल गंगाधर तिलक भी उनका अत्यधिक सम्मान करते थे। उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था का गहन अध्ययन किया। वे ब्रिटिश 'लाइसेज़-फ़ेयर' (मुक्त व्यापार) की नीति के विरोधी थे और उनका तर्क था कि भारतीय उद्योगों के संरक्षण के लिए राज्य का हस्तक्षेप आवश्यक है। उन्होंने 'स्वदेशी' के विचार को बढ़ावा दिया, जिसे बाद में महात्मा गांधी ने आंदोलन का मुख्य आधार बनाया। रानाडे एक प्रखर लेखक भी थे। उनकी प्रसिद्ध पुस्तक 'Rise of the Maratha Power' (मराठा शक्ति का उदय) ने मराठा इतिहास को देखने का नजरिया बदल दिया। उन्होंने सिद्ध किया कि मराठा साम्राज्य केवल लूटपाट पर आधारित नहीं था, बल्कि वह एक सशक्त राष्ट्र निर्माण का प्रयास था।

बदलती जीवन शैली

शरीर और मन पर पड़ता असर

डॉक्टर बबलू सोनकर
वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मेजा प्रयागराज

आज की तेज़-तर्रार दुनिया में जीवन शैली में आए बदलाव ने मानव स्वास्थ्य पर गहरा असर डाला है। तकनीकी प्रगति, स्मार्टफोन, इंटरनेट और डिजिटल उपकरणों की उपलब्धता ने हमारी दिनचर्या को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन इसी के साथ शरीर और मानसिक स्वास्थ्य पर कई नकारात्मक प्रभाव भी देखने को मिल रहे हैं। बदलती जीवन शैली के कारण शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों प्रभावित हो रहे हैं, और यदि इस पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो भविष्य में गंभीर रोग और मानसिक समस्याएँ बढ़ सकती हैं। सबसे पहले शारीरिक स्वास्थ्य पर विचार करें। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के आंकड़े बताते हैं कि दुनिया भर में 39% वयस्क लोग मोटापे से प्रभावित हैं। भारत में भी स्थिति चिंताजनक है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS-5) के अनुसार, 2019-21 में भारतीय पुरुषों में मोटापा 21% और महिलाओं में 24% दर्ज किया गया। बदलते खान-पान के पैटर्न—जैसे तला-भुना, अत्यधिक शर्करा और पैकेज्ड फूड—और शारीरिक गतिविधियों में कमी इसके मुख्य कारण हैं। आज के युवाओं और कर्मचारियों में शारीरिक निष्क्रियता गंभीर समस्या बन गई है। अधिकांश लोग दिनभर 8 से 10 घंटे तक बैठकर काम करते हैं, जिसके कारण मांसपेशियों की कमजोरी, हड्डियों में दर्द और हृदय रोग जैसी समस्याएँ बढ़ रही हैं। एक अध्ययन में पाया गया कि यदि वयस्क दिन में केवल 30 मिनट शारीरिक गतिविधि करें, तो हृदय रोग और मधुमेह के खतरे को 40% तक कम किया जा सकता है। शारीरिक स्वास्थ्य पर असर का प्रत्यक्ष संबंध मानसिक स्वास्थ्य से भी है। जब शरीर सुस्त और अस्वस्थ होता है, व्यक्ति में चिड़चिड़ापन, उदासी और तनाव बढ़ जाता है। एक अध्ययन के अनुसार, जिन व्यक्तियों का BMI (Body Mass Index) 30 से अधिक है, उनमें अवसाद और चिंता की संभावना सामान्य व्यक्तियों की तुलना में लगभग 30% अधिक पाई गई। बदलते जीवन शैली और अस्वस्थ भोजन के कारण इंसुलिन प्रतिरोध, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और मधुमेह जैसी बीमारियों की दर भी बढ़ रही है, जो सीधे मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव डालती हैं। नींद की कमी भी इस समस्या को बढ़ाती है। मोबाइल, लैपटॉप और टीवी का लगातार प्रयोग नींद की गुणवत्ता को प्रभावित करता है। नींद की कमी से मस्तिष्क में तनाव हार्मोन (कोर्टिसोल) बढ़ता है और मानसिक संतुलन बिगड़ता है। भारत में लगभग 70% युवा नींद की कमी से प्रभावित हैं, जिससे चिंता और अवसाद जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। नींद की कमी शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को भी कमजोर करती है, जिससे रोगों का खतरा बढ़ जाता है। डॉक्टर के रूप में मैं अक्सर ऐसे मरीजों से मिलता हूँ जिनका शरीर और मन दोनों बिगड़ चुके होते हैं। मरीज वजन बढ़ने,

थकान, ऊर्जा की कमी और लगातार तनाव की शिकायत लेकर आते हैं। इनमें से अधिकांश मरीज जीवनशैली के बदलाव को गंभीरता से नहीं लेते। पैकेज्ड फूड, मीठा भोजन, शारीरिक निष्क्रियता और स्क्रीन समय के अत्यधिक प्रयोग ने उनकी प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर कर दिया है। परिणामस्वरूप, शारीरिक रोग मानसिक तनाव और चिंता में बदल जाते हैं। समाधान संभव है, बशर्ते जीवनशैली में सुधार किया जाए। प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट व्यायाम, ताजगी से भरपूर भोजन, पर्याप्त पानी का सेवन और स्क्रीन समय को सीमित करना जरूरी है। ध्यान, योग और प्राणायाम जैसी मानसिक तकनीकें मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद करती हैं। इसके अलावा, पर्याप्त नींद लेना और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना अनिवार्य है। इसके अलावा, सामाजिक और पारिवारिक समर्थन भी महत्वपूर्ण है। तनावपूर्ण जीवन में यदि परिवार और मित्र सहयोग दें, तो व्यक्ति मानसिक और शारीरिक रूप से बेहतर महसूस करता है। समाज और कार्यस्थल में मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना भी आवश्यक है। अंततः यह स्पष्ट है कि बदलती जीवन शैली ने न केवल शरीर बल्कि मन को भी प्रभावित किया है। मोटापा, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप और मानसिक तनाव जैसी समस्याएं केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य का मुद्दा नहीं, बल्कि समाज और देश के लिए भी चिंता का विषय हैं। डॉक्टर के रूप में मेरा संदेश है कि स्वास्थ्य को प्राथमिकता दीजिए, संतुलित आहार और नियमित व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाइए, ताकि शरीर और मन दोनों स्वस्थ रहें। बदलती जीवन शैली के कारण शरीर बिगड़ रहा है और शरीर बिगड़ने के साथ मन भी प्रभावित हो रहा है। जागरूकता, संतुलित भोजन, नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देकर ही इस समस्या से निपटा जा सकता है। यदि समय रहते सुधार नहीं किया गया, तो आने वाले वर्षों में शारीरिक और मानसिक समस्याओं का बोझ असंभव रूप से बढ़ सकता है।

जीवन मंत्र

जीवन की सबसे गहरी चोट अक्सर बाहर से नहीं, बल्कि भीतर से मिलती है। पराए अगर धोखा दें, तो दर्द होता है, पर समझ आ जाता है। लेकिन जब अपनों की मार पड़ती है, तब आत्मा तक कांप जाती है।

अपनों की मार, फिर भी अपनापन

रिश्तों की नींव विश्वास पर टिकी होती है, और जब वही विश्वास टूटता है, तो मनुष्य भीतर से बिखरने लगता है। फिर भी इस संसार में कुछ लोग ऐसे होते हैं, जो अपनों की कठोरता, उपेक्षा और अन्याय सहने के बाद भी उन्हीं से लिपट जाते हैं। यही उनकी सबसे बड़ी कमजोरी भी है और सबसे बड़ी ताकत भी। अपनों की मार कई रूपों में होती है—कभी शब्दों से, कभी व्यवहार से, कभी चुप्पी से। माता-पिता की अपेक्षाएँ, भाई-बहनों की तुलना, जीवनसाथी की उपेक्षा या मित्रों की स्वार्थपरता—ये सब चोटें शरीर पर नहीं, मन पर लगती हैं। इन घावों से खून नहीं बहता, पर आत्मसम्मान चूर-चूर हो जाता है। फिर भी जो व्यक्ति इन सबके बावजूद रिश्ते नहीं तोड़ता, वह साधारण नहीं होता। उसके भीतर सहनशीलता, करुणा और प्रेम का असाधारण भंडार होता है। ऐसे लोग जानते हैं कि रिश्ता सिर्फ सुख का सौदा नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है। वे यह समझते हैं कि हर इंसान अपनी सीमाओं, कमजोरियों और डर के साथ जीता है। अपनों की मार को वे केवल अन्याय नहीं, बल्कि किसी अधूरेपन की अभिव्यक्ति मानते हैं। यही कारण है कि वे बदले में पत्थर नहीं, बल्कि बाहें फैलाते हैं। यह आसान नहीं होता—हर बार लिपटना, हर बार माफ करना, हर बार उम्मीद रखना—यह सब भीतर से टूटकर ही संभव होता है। हालाँकि, यह सहनशीलता

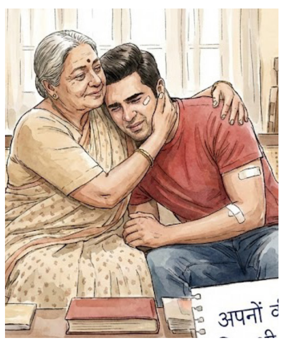

अगर आत्मसम्मान को पूरी तरह कुचल दे, तो यह प्रेम नहीं, आत्म-त्याग बन जाता है। जो अपनों से लिपटता है, उसे यह भी सीखना होता है कि सीमा कहाँ खींचनी है। प्रेम का अर्थ यह नहीं कि हर चोट को अनदेखा कर दिया जाए, बल्कि यह है कि संवाद, स्पष्टता और सम्मान की मांग की जाए। सच्चा रिश्ता वही है, जहाँ गलती स्वीकार की जाए और सुधार की गुंजाइश हो। जो अपनों की मार खाकर भी अपनों से लिपट जाता है, वह रिश्तों को तो बचाता ही है, समाज को भी एक आईना दिखाता है।

जीवन ऊर्जा | केट मॉस : जन्म 16 जनवरी 1974 | जन्म

केट मॉस का जन्म 16 जनवरी 1974 को लंदन, यूनाइटेड किंगडम में हुआ था। वे विश्व की सबसे प्रभावशाली सुपरमॉडल्स में गिनी जाती हैं। 1990 के दशक में उन्होंने फैशन उद्योग में ‘हेरोइन-चिक’ शैली को लोकप्रिय बनाया और पारंपरिक सौंदर्य मानकों को चुनौती दी।

आत्मविश्वास और बेपरवाह स्टाइल की पहचान

केल्विन क्लेन, चैनल और वर्साचे जैसे अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के साथ उनका करियर ऐतिहासिक रहा। केट मॉस अपनी विशिष्ट शैली, आत्मविश्वास और फैशन प्रभाव के लिए जानी जाती हैं। दुबला महसूस होना, किसी भी स्वाद से बेहतर होता है। अगर मैं बिखरूंगी, तो कम से कम आकर्षक तरीके से। मैं मॉडल नहीं हूं, मैं बस कपड़े पहनती हूं। आत्मविश्वास सबसे आकर्षक चीज़ है जो आपके पास हो सकती है। मुझे सहज दिखना पसंद है। मेरी कोई खास स्टाइल नहीं है, मैं वही पहनती हूं जो मुझे पसंद है। फैशन आगे देखने का नाम है। मैं डाइट नहीं करती, जो मन हो वही खाती हूं। खुद के प्रति सच्चा रहना जरूरी है। मैं कभी यह नहीं सोचती कि मैंने क्या पहन रखा है। स्टाइलिश होने से ज्यादा आरामदायक होना जरूरी है। मैं कपड़ों की योजना नहीं बनाती, बस पहन लेती हूं। मुझे जरूरत से ज्यादा सजा-संवरा दिखना पसंद नहीं। स्टाइल एक सोच है। मैं ट्रेंड्स के पीछे नहीं चलती, जो सही लगे वही पहनती हूं। कम में ही ज्यादा होता है। मुझे वही चीज़ें पसंद हैं जो स्वाभाविक लगें। आत्मविश्वास की नकल नहीं की जा सकती। मुझे

नहीं लगता कि फैशन कोई कठिन काम होना चाहिए। मुझे चीज़ों को सरल रखना पसंद है। मैंने हमेशा अपने लिए कपड़े पहने हैं। फैशन मज़ेदार होना चाहिए। मुझे नियम पसंद नहीं। मुझे ऐसे कपड़े पसंद हैं जिनमें सहजता हो। स्टाइल व्यक्तिगत होती है। जो आप पहनें, उसमें अच्छा महसूस होना चाहिए। मुझे जरूरत से ज्यादा परफेक्ट दिखना पसंद नहीं। आराम से आत्मविश्वास आता है। मैं कभी जरूरत से ज्यादा कोशिश नहीं करती। बस खुद बनकर रहिए।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

महाकवि कालिदास और माता सरस्वती का प्रेरक प्रसंग

ज्ञान का वास्तविक उद्देश्य व्यक्ति के भीतर विनम्रता और प्रकाश उत्पन्न करना है। जब ज्ञान व्यक्ति के भीतर 'स्व' या 'अहंकार' का भाव पैदा करने लगे, तो वह ज्ञान नहीं बल्कि 'तमस' (अंधकार) बन जाता है। यह अंधकार व्यक्ति की बुद्धि को ढंक देता है और उसे वास्तविकता से दूर ले जाता है। स्वयं ईश्वर भी अपने भक्त को ज्ञान के मार्ग से भटककर अहंकार की गर्त में गिरते देखना पसंद नहीं करते। संस्कृत साहित्य के महान विद्वान महाकवि कालिदास के जीवन से जुड़ा एक प्रसंग इसी सत्य को बड़ी सुंदरता से उजागर करता है। एक समय की बात है,

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

महाकवि कालिदास अपनी विद्वत्ता के चरम पर थे। उन्हें अपनी बुद्धि और ख्याति पर गहरा गर्व हो गया था। एक बार वे पड़ोसी राज्य में एक बड़े शास्त्रार्थ में भाग लेने जा रहे थे। रास्ते में भीषण गर्मी थी और उन्हें तेज प्यास लगी। दूर उन्हें एक झोपड़ी और पास में एक कुआं दिखाई दिया। कालिदास ने सोचा कि वहां जल अवश्य मिल जाएगा। जब वे झोपड़ी के पास पहुँचे, तो वहां से एक छोटी सी बच्ची कुएं से पानी भरकर बाहर निकली। कालिदास ने अधिकारपूर्ण स्वर में उससे पानी माँगा। बच्ची ने बड़ी सहजता से पूछा, श्रीमान, मैं आपको नहीं जानती, एक अनजान व्यक्ति को मैं पानी कैसे पिला दूँ? पहले अपना परिचय दीजिए। कालिदास को लगा कि शायद यह बच्ची अज्ञानी है, वरना संसार में उन्हें कौन नहीं जानता। उन्होंने गर्व से कहा, बालिका, तुम छोटी हो इसलिए मुझे नहीं पहचानती। घर में किसी बड़े को भेजो, वह मुझे देखते ही पहचान लेगा। मैं एक बहुत बड़ा विद्वान और सम्मानित व्यक्ति हूँ। बच्ची ने शांत भाव से कहा, आप असत्य कह रहे हैं। इस संसार में केवल दो ही बलवान हैं। यदि आप विद्वान हैं, तो उनका नाम बताइए। कालिदास निरुत्तर हो गए। तब बच्ची ने कहा, 'अन्न और जल'। भूख और प्यास में इतनी शक्ति है कि वे बड़े से बड़े बलवान को भी झुका देते हैं। आपकी प्यास ने ही आपको मेरे सामने झुका दिया है। कालिदास चकित रह गए, लेकिन उनका अहंकार अभी भी जीवित था। प्यास से व्याकुल कालिदास ने नम्रता का स्वांग रचते हुए कहा, ₹मैं एक बटोही (यात्री) हूँ।₹ बच्ची ने पुनः उन्हें टोका, ₹नहीं, बटोही तो केवल दो ही हैं— सूर्य और चंद्रमा, जो बिना थके निरंतर चलते रहते हैं। आप तो थक चुके हैं, आप बटोही कैसे हो सकते हैं? यह कहकर बच्ची अंदर चली गई। तभी झोपड़ी से एक वृद्ध महिला निकली। कालिदास ने उनसे पानी की गुहार लगाई। वृद्धा ने भी वही प्रश्न किया, ₹तुम कौन हो?₹ कालिदास ने इस बार खुद को 'मेहमान' बताया। वृद्धा ने मुस्कुराकर कहा, ₹संसार में मेहमान तो दो ही हैं- धन और यौवन, जो कब आकर चले जाते हैं, पता भी नहीं चलता। सच बताओ तुम कौन हो? अब कालिदास पूरी तरह हताश हो चुके थे। उन्होंने कहा, मैं सहनशील हूँ। वृद्धा ने उत्तर दिया, नहीं, सहनशील तो केवल दो हैं-पहली धरती, जो हर पापी और पुण्यात्मा का बोझ उठाती है।

अपने विचार

राहुल गांधी अगर अयोध्या पहुंच जाएं तो भी उन्हें मंदिर नहीं घुसने देना चाहिए, क्योंकि वो हिंदू नहीं हैं। मैं ट्रस्ट के लोगों से ये अपील करता हूं, मैं मंदिर समिति से अपील करता हूं कि उनको मंदिर के भीतर ना घुसने दिया जाए। जो हिंदू धर्म को गाली दे। इसलिए राहुल गांधी किसी भी तरीके से फिट नहीं हैं कि वो मंदिर के भीतर जाएं।

-अविमुक्तेश्वरानंद
शंकराचार्य

केंद्र सरकार की मदद से एक ही कॉर्पोरेट समूह को लगातार महत्वपूर्ण परियोजनाएं सौंपी जा रही हैं, जिससे एकाधिकार (मोनोपॉली) बढ़ रहा है। महाराष्ट्रवासियों, अगर इस तेज एकीकरण को गंभीरता से नहीं लिया गया, तो राज्य की बड़ी जमीनें और संपत्तियां धीरे-धीरे एक ही समूह के हाथों में चली जाएंगी।

-राज ठाकरे
अध्यक्ष, मनसे

ब्राह्मण समाज के विधायकों ने अपनी उपेक्षा और उत्पीड़न को लेकर बैठक की थी। बीजेपी, कांग्रेस और सपा के बहकावे में ब्राह्मणों को नहीं आना चाहिए। इन्हें केवल 'बाटी-चोखे' से बहलाया जाता है, लेकिन सम्मान केवल बसपा में मिलता है।

-मायावती
अध्यक्षा, बसपा

प्रदेश में जंगलराज जैसे हालात है। मुजफ्फरनगर के रोहित उर्फ सोनू कश्यप की सरधना क्षेत्र में जिंदा जलाकर निर्मम हत्या कर दी गई। पुलिस पर मृतक युवक के परिवार का आरोप है कि निष्पक्ष कार्रवाई नहीं कर रही। दोषियों को बचा रही है।

-अजय राय
अध्यक्ष, कांग्रेस

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार “माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. ” के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़्मिदार).

ब्रीफ न्यूज़

मतदान के दौरान फायरिंग होने से हड़कंप, सुरक्षा बढ़ाई गई

जलगांव। महाराष्ट्र के जलगांव जिले के पिंपराला इलाके में स्थित आनंद नगर में गुरुवार को मतदान के दौरान अचानक फायरिंग हो जाने से हडक़ंप मच गया। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन फायरिंग करने वाला आरोपित मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी है। जलगांव जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ. महेश्वर रेड्डी ने बताया कि आज पिंपराला इलाके में दो लोग आपस में किसी मुद्दे पर बातचीत कर रहे थे। इन दोनों में अचानक विवाद बढ़ गया और एक व्यक्ति ने दूसरे पर फायरिंग कर दिया। हालांकि उसका निशाना चूक गया और गोली सामने वाले को नहीं लगी। इससे इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। लेकिन इस घटना की सीसीटीवी फुटेज के सहयोग से जांच शुरु कर दी गई है, बहुत जल्द आरोपित को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस घटना का चुनाव प्रक्रिया से कोई संबंध नहीं है, इसलिए किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें। मामले की छानबीन जारी है। इस घटना के बाद पुलिस प्रशासन ने भी जलगांव के संवेदनशील इलाकों में पुलिस सुरक्षा बढ़ा दी है। मतदान केंद्रो पर सुरक्षा पर खास ध्यान दिया गया है, और शूटर और उसके साथियों की तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस ने कहा कि आरोपित को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

वसई आश्रम में मकर संक्रांति पर सद्भावना सम्मेलन

वसई। वसई (पूर्व) के एवरशाइन सेक्टर-6 स्थित श्री हंस विजय नगर आश्रम में मकर संक्रांति श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर मानव उत्थान सेवा समिति, वसई की ओर से सद्भावना सम्मेलन का आयोजन किया गया। श्री विभूजी महाराज के पावन सानिध्य में हुए सम्मेलन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने श्री विभूजी महाराज का दर्शन कर प्रेरणादायी प्रवचन का लाभ लिया।प्रवचन में महाराज जी ने मन को एकाग्र करने के महत्व को अत्यंत मार्मिक प्रसंगों के माध्यम से सरल भाषा में समझाया। उनके विचारों से उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो उठे और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया। इस अवसर पर जरूरतमंद लोगों को कंबल, बेडशीट एवं अन्य आवश्यक सामग्री का वितरण किया गया। सम्मेलन में सूरत, नासिक, पुणे, मुंबई एवं नवी मुंबई सहित विभिन्न स्थानों से आए श्रद्धालु भी शामिल हुए। शांति, सद्भाव और मानव कल्याण के संदेश के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

आरएसएस ने दो उम्मीदवारों की उम्मीदवारी रद्द करने की मांग की

मुंबई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कोंकण मंडल ने मुंबई निकाय चुनाव में दो उम्मीदवारों की उम्मीदवारी रद्द करने की राज्य निर्वाचन आयोग (SEC) से अपील की है। आरएसएस ने आरोप लगाया है कि इन प्रत्याशियों ने खुद को संघ समर्थित बताया, जबकि ऐसा दावा झूठा और अवैध है। राज्य निर्वाचन आयोग को सौंपे गए पत्र में संगठन ने कहा कि वार्ड 118 और 122 से चुनाव लड़ रहे वैशाली जी. और प्रशांत जी. ने प्रचार सामग्री में आरएसएस का नाम और समर्थन दिखाया, जबकि उन्हें कोई अनुमति नहीं थी। आरएसएस ने स्पष्ट किया कि वह किसी भी राजनीतिक दल या व्यक्तिगत उम्मीदवार का समर्थन या अनुमोदन नहीं करता। संगठन ने कहा कि इस तरह के झूठे दावे मतदाताओं के बीच भ्रम पैदा कर रहे हैं और आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन हैं। इसके चलते आरएसएस ने आयोग से आग्रह किया है कि दोनों प्रत्याशियों की उम्मीदवारी रद्द करने और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की प्रक्रिया शुरू की जाए। महाराष्ट्र की 29 महानगर पालिकाओं में 15 जनवरी को मतदान हुआ था और मतगणना आज हो रही है। इस शिकायत पर अभी तक निर्वाचन आयोग की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। यह मामला चुनावी ईमानदारी और राजनीतिक प्रचार में पारदर्शिता की महत्वपूर्ण कसौटी बन गया है।

होमग्राउंड पर अजित पवार को बड़ा झटका पिंपरी-चिंचवड में भाजपा की बढ़त!

डीबीडी संवाददाता । पिंपरी-चिंचवड

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के लिए पिंपरी-चिंचवड महानगरपालिका चुनाव में बड़ा झटका सामने आता दिख रहा है। एग्जिट पोल के अनुमानों के मुताबिक, जिस पीसीएमसी पर अजित पवार ने सबसे ज्यादा ध्यान केंद्रित किया था, वहां भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभर सकती है।

अजित पवार का फोकस रहा पीसीएमसी पर

पिंपरी-चिंचवड महानगरपालिका के 32 प्रभागों से कुल 128 नगरसेवक चुने जाने हैं। इस निगम पर अजित पवार ने खासा फोकस किया था। उन्होंने भाजपा के शासनकाल में भ्रष्टाचार बढ़ने का आरोप लगाया था और भोसरी से भाजपा विधायक महेश लांडगे पर भी तीखा हमला करते हुए सत्ता वापसी का दावा किया था।

दोनों राष्ट्रवादी की एकजुटता भी नहीं आई काम

चुनाव में अजित पवार ने शरद पवार गुट की राष्ट्रवादी के साथ गठबंधन किया था, लेकिन एग्जिट पोल के अनुमानों से संकेत मिलते हैं कि इस गठबंधन का अपेक्षित लाभ उन्हें नहीं मिला। वहीं भाजपा के सामने निगम की सत्ता बरकरार रखने की चुनौती थी, जिसका उसने आक्रामक जवाब दिया।

16 जनवरी को आएगा अंतिम फैसला

गौरतलब है कि ये अनुमान केवल दो पोल एजेंसियों के हैं। पिंपरी-चिंचवड महानगरपालिका चुनाव की मतगणना 16 जनवरी को सुबह 10 बजे से शुरू होगी। आयुक्त एवं चुनाव अधिकारी श्रवण हार्डीकर के अनुसार, नगर निगम क्षेत्र में निर्धारित 8 केंद्रों पर मतगणना कराई जाएगी।

PRAB के एग्जिट पोल का अनुमान

PRAB के सर्वे के अनुसार पिंपरी-चिंचवड महानगरपालिका में भाजपा को सबसे अधिक 64 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) 51 सीटों तक सीमित रह सकती है।

अन्य दलों की स्थिति इस प्रकार बताई गई है–

- भाजपा: 64
- शिवसेना: 9
- राष्ट्रवादी (अजित पवार): 51
- शरद पवार गुट: 2
- कांग्रेस: 1
- मनसे: 1

JDS के अनुमान में भी भाजपा आगे

JDS के एग्जिट पोल में भी भाजपा को बढ़त मिलती दिख रही है। इसके अनुसार–

- भाजपा: 47 से 60 सीटें
- राष्ट्रवादी (अजित पवार): 42 से 51 सीटें
- राष्ट्रवादी (शरद पवार): 2 से 4 सीटें
- शिवसेना (उद्धव गुट): 2 से 3 सीटें
- मनसे: 0 से 2 सीटें

इसके अलावा कांग्रेस को 2 सीटें और अन्य को 14–15 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है।

पुणे में लिक्विड से स्याही पोंछने का मामला

मतदान के बाद स्याही विवाद में राष्ट्रवादी कार्यकर्ताओं ने एक मतदाता को पीटा

डीबीडी संवाददाता । पुणे

महानगरपालिका चुनाव के दौरान मतदाताओं की उंगली पर लगाई जाने वाली स्याही को लेकर राज्यभर में शंकाएं जताई जा रही हैं। इसी बीच पुणे के एक मतदान केंद्र पर स्याही पोंछने की कोशिश का मामला सामने आया, जहां राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के कार्यकर्ताओं ने एक मतदाता की पिटाई कर दी। मामले में संबंधित मतदाता को पुलिस के हवाले कर दिया गया है और आचार संहिता दल को शिकायत सौंपी गई है।

मतदान केंद्र के बाहर हुआ विवाद

राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार गुरुवार सुबह 7 :30 बजे मतदान शुरू हुआ। मतदान के बाद मतदाताओं की उंगली पर विशेष स्याही लगाई जाती है, जो सामान्य तौर पर दो से तीन सप्ताह तक नहीं मिटती। बताया गया है कि सिंहगड रोड स्थित प्रभाग क्रमांक 34 (न *हे, वडगांव बुद्रुक, धायरी) के अंतर्गत धायरी फाटा के पास नारायणराव सनस विद्यालय के मतदान केंद्र पर सुबह करीब 10 बजे एक मतदाता वोट डालकर बाहर आया। मतदान केंद्र के बाहर मौजूद राष्ट्रवादी (शरद पवार) पार्टी के कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि संबंधित मतदाता अपनी उंगली पर लगी स्याही को लिक्विड की मदद से पोंछने की कोशिश कर रहा था।

वसई में मतदान के बाद हंगामा

भाजपा कार्यकर्ताओं पर पुलिस का लाठीचार्ज, सांसद हेमंत सवरा ने जांच की मांग की

डीबीडी संवाददाता । वसई

वसई-वीरार महानगरपालिका चुनाव के मतदान के बाद वसई पूर्व में स्थिति तनावपूर्ण हो गई। वसंतनगरी स्थित प्रभाग क्रमांक 22 के शेठ विद्यामंदिर मतदान केंद्र पर भाजपा कार्यकर्ताओं और चुनाव अधिकारियों के बीच विवाद हो गया, जिसके बाद पुलिस को हल्का लाठीचार्ज कर स्थिति नियंत्रित करनी पड़ी। इस कार्रवाई को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में भारी नाराजगी देखी गई।

मतदान के बाद बढ़ा विवाद

शहर में महापालिका चुनाव के लिए कुल 9 प्रभागों में 1,335 मतदान केंद्र बनाए गए थे। सुबह 7 बजे से शाम 5 .30 बजे तक मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से पूरी हुई। हालांकि मतदाता सूची में गड़बड़ी, बार-बार खराब होती ईवीएम और यातायात जाम के कारण मतदाताओं को दिनभर परेशानियों का सामना करना पड़ा।

शेठ विद्यामंदिर केंद्र पर हंगामा

मतदान का समय समाप्त होने के बाद वसई पूर्व के शेठ विद्यामंदिर मतदान केंद्र पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। आरोप है कि कुछ संदिग्ध लोगों को मतदान केंद्र के भीतर जाने दिया गया, जिससे वहां भीड़ जमा हो गई। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने हल्का लाठीचार्ज कर भीड़ को हटाया। पुलिस की इस कार्रवाई को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं और प्रतिनिधियों ने कड़ा विरोध जताया।

सांसद शोभा बच्छाव पर आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप

मतदान केंद्र तक 'सांसद' लिखी गाड़ी ले जाने पर विवाद

डीबीडी संवाददाता । नासिक

पंचवटी क्षेत्र के प्रभाग क्रमांक 4 में मतदान के दौरान आदर्श आचारसंहिता उल्लंघन का गंभीर मामला सामने आया है। धुलिया लोकसभा क्षेत्र की सांसद डॉ. शोभा बच्छाव पर आरोप है कि उन्होंने मतदान के लिए जाते समय 'सांसद' पद का नाम और चिन्ह लगी सरकारी गाड़ी का इस्तेमाल किया और उसे सीधे मतदान केंद्र के मुख्य द्वार तक ले गईं।

नाराज नागरिकों ने पुलिस से की बहस

मतदान केंद्र के बाहर सांसद की गाड़ी देख वहां मौजूद मतदाता भड़क गए। नाराज नागरिकों ने पुलिस प्रशासन को घेरते हुए सवाल उठाया कि क्या आचारसंहिता के नियम केवल आम मतदाताओं पर लागू होते हैं, या फिर जनप्रतिनिधियों के लिए अलग मापदंड हैं। इस दौरान मतदान केंद्र के बाहर कुछ समय तक अफरा-तफरी और तनाव का माहौल बना रहा।

नियमों की अनदेखी का आरोप

निर्वाचन नियमों और आदर्श आचारसंहिता के तहत किसी भी जनप्रतिनिधि या उम्मीदवार को अपने पद का प्रभाव दर्शाने वाले वाहन को मतदान केंद्र के निर्धारित दायरे में ले जाने की अनुमति नहीं होती। इसके बावजूद एकलव्य मॉडल रेसिडेंशियल स्कूल स्थित मतदान केंद्र पर सांसद की गाड़ी पहुंचने से विवाद खड़ा हो गया। स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया कि नियमों को खुलेआम नजरअंदाज किया गया।

पति और कांग्रेस पदाधिकारी भी रहे मौजूद

बताया जा रहा है कि मतदान के दौरान सांसद डॉ. शोभा बच्छाव के साथ उनके पति डॉ. दिनेश बच्छाव, कांग्रेस शहर अध्यक्ष एड. आकाश छाजेड़ समेत अन्य पार्टी पदाधिकारी भी मौजूद थे। घटना के बाद यह मामला स्थानीय राजनीति में चर्चा का विषय बना हुआ है।

प्रशासन नहीं दे सका स्पष्ट जवाब

घटना को लेकर जब नागरिकों ने मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा, तो प्रशासन की ओर से कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिल सका। इससे स्थिति और असहज हो गई। नागरिकों ने चुनाव आयोग से मांग की है कि पद के दुरुपयोग के इस मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

नासिक में वोटिंग के बीच हाई-वोल्टेज ड्रामा

पैसे बांटने के शक पर भिड़े उम्मीदवार

पुलिस ने किया लाठीचार्ज

डीबीडी संवाददाता । नासिक

नासिक महानगरपालिका चुनाव के मतदान के दौरान सिडको के प्रभाग संख्या 25 में गुरुवार को हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। सावतानगर इलाके में एक कार्यालय में पैसे बांटे जाने के संदेह को लेकर निर्दलीय उम्मीदवार और शिवसेना (शिंदे गुट) के उम्मीदवार आमने-सामने आ गए, जिससे इलाके में तनाव का माहौल बन गया। स्थिति को नियंत्रण से बाहर जाने से रोकने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। प्रभाग 25 में मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्वक चल रही थी, तभी सावतानगर स्थित एक कार्यालय में पैसे बांटे जाने की चर्चा फैल गई। इस सूचना के बाद निर्दलीय उम्मीदवार मुकेश शहाणे अपने समर्थकों के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। जब उन्होंने उस कार्यालय में जाने की कोशिश की, तो पुलिस ने उन्हें रोक लिया और एहतियातन हिरासत में लेकर वाहन में बैठा दिया। हालांकि, कुछ समय बाद उन्हें छोड़ दिया गया।

उम्मीदवारों के बीच तीखी नोकझोंक

मुकेश शहाणे को हिरासत में लिए जाने की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौके पर जमा हो गए। इसी दौरान शिवसेना (शिंदे गुट) के उम्मीदवार एडवोकेट अतुल सानप भी अपने समर्थकों के साथ वहां पहुंच गए। दोनों पक्षों के कार्यकर्ताओं के बीच जोरदार नारेबाजी और तीखी बहस हुई, जिससे कुछ समय के लिए इलाके में भय और तनाव का माहौल बन गया। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने तुरंत अतिरिक्त बल तैनात किया। भीड़ को तितर-बितर करने और विवाद को शांत करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद कार्यकर्ता मौके से हट गए और किसी बड़े हादसे को टाल लिया गया। इलाके में भारी पुलिस बंदोबस्त तैनात किया गया और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।

पूर्व पार्षद की गाड़ी से नकदी जब्त

नासिक के प्रभाग संख्या 17 के पूर्व पार्षद दिनकर आढाव जिस फॉर्च्युनर गाड़ी में सवार थे, उस वाहन से चुनाव आयोग की फ्लाइंग स्क्वॉड टीम ने नकद राशि बरामद की है। यह कार्रवाई चुनाव के दौरान पैसे बांटे जाने की आशंका के चलते की गई। प्रशासन ने संबंधित फॉर्च्युनर वाहन को जब्त कर लिया है।

मतदान के बाद अमृता फडणवीस का बयान, बोलीं-विकास को दें वोट

डीबीडी संवाददाता । नागपुर

राज्य की 29 महानगरपालिकाओं के लिए हो रहे मतदान के बीच नागपुर में लोकतंत्र का उत्साह साफ नजर आया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को पत्नी अमृता फडणवीस और अपनी मां के साथ मतदान कर नागरिक कर्तव्य निभाया। मतदान के बाद फडणवीस परिवार ने मतदाताओं से बड़ी संख्या में मतदान करने की अपील की।

लोकतंत्र के पर्व में दिग्गजों की भागीदारी

सुबह से ही नागपुर महानगरपालिका चुनाव को लेकर मतदान केंद्रों पर उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला। आम नागरिकों के साथ राज्य के वरिष्ठ नेताओं ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अमृता फडणवीस ने उंगली पर लगी स्याही दिखाते हुए लोकतंत्र में भागीदारी पर संतोष जताया।

नितिन गडकरी ने भी डाला वोट

इससे पहले केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी नागपुर के महल क्षेत्र स्थित न्यू इंग्लिश स्कूल में मतदान किया। उन्होंने भरोसा जताया कि भाजपा ने विकास कार्यों के आधार पर चुनाव लड़ा है और पार्टी इस बार भी स्थानीय निकाय चुनावों में बेहतर प्रदर्शन करेगी। गडकरी ने कहा कि नागपुर की जनता ने पहले भी भाजपा को विकास का अवसर दिया है और इस बार भी उसी भरोसे के साथ मतदान करेगी।

अमृता फडणवीस की विकास आधारित अपील

मतदान के बाद अमृता फडणवीस ने कहा कि चुनाव लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण पर्व है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे भावनाओं में नहीं, बल्कि व्यावहारिक सोच के साथ मतदान करें। अमृता फडणवीस ने कहा कि वोट डालते समय यह देखा जाना चाहिए कि किस दल ने शहर और राज्य के विकास के लिए ठोस काम किया है और कौन जनता के जीवन में वास्तविक बदलाव ला सकता है।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष आज रुका धन मिलेगा। मन की चंचलता पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी। जीवनसाथी पर आपसी मेहरबानी रहेगी। जल्दबाजी में धनहानि हो सकती है। व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में सुकून रहेगा। निवेश लाभप्रद रहेगा।

वृष स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त से बड़ा लाभ हो सकता है। प्रतिद्वंद्विता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग समय पर मिलने से प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक-ठीक चलेगा। आय में वृद्धि होगी। चोट व रोग से बाधा संभव है।

मिथुन पार्टी व पिकनिक की योजना बनेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

कर्क घर-बाहर अशांति रहेगी। कार्य में रुकावट होगी। आय में कमी तथा नौकरी में कार्यभार रहेगा। बेवजह लोगों से कहासुनी हो सकती है। दु:खद समाचार मिलने से नकारात्मकता बढ़ेगी। व्यवसाय से संतुष्टि नहीं रहेगी। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं।

सिंह प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्य की समस्याएं दूर होंगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। कर्ज में कमी होगी। संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। अपना प्रभाव बढ़ा पाएंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। निवेश शुभ रहेगा।

कन्या दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। व्यवसाय में जल्दबाजी से काम न करें। चोट व दुर्घटना से बचें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

तुला उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। जुए, सट्टे व लॉटरी के चक्कर में न पड़ें। निवेश शुभ रहेगा।

वृश्चिक अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था नहीं होने से परेशानी रहेगी। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं। थकान महसूस होगी। अपेक्षित कार्यों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

धनु अज्ञात भय व चिंता रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। बगैर मांगे किसी को सलाह न दें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। धनार्जन होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मकर नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। नौकरी में वर्चस्व स्थापित होगा। आय के स्रोत बढ़ सकते हैं। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश शुभ रहेगा।

कुंभ रुका धन मिलेगा। पूजा-पाठ व सत्संग में मन लगेगा। आत्मशांति रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। मातहतों का सहयोग मिलेगा।

मीन क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। पुराना रोग बाधा का कारण रहेगा। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। छोटी सी गलती से समस्या बढ़ सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। मित्र व संबंधी सहायता करेंगे। आय बनी रहेगी। जोखिम न लें।

जीवन, कर्म और चेतना पर बृहस्पति का सूक्ष्म प्रभाव

वैदिक ज्योतिष में गुरु अर्थात बृहस्पति को ज्ञान, धर्म, विस्तार, नैतिकता, संतान, भाग्य और जीवन के उच्च आदर्शों का कारक माना गया है। जब किसी जातक की कुंडली में गुरु की महादशा प्रारंभ होती है, तो सामान्यतः जीवन में स्थिरता, मार्गदर्शन और आंतरिक विकास की प्रक्रिया तेज हो जाती है। हालांकि यह मान लेना कि पूरी गुरु महादशा समान रूप से शुभ ही होगी, एक सरलीकरण है, क्योंकि महादशा के भीतर चलने वाली विभिन्न अंतर्दशाएं अपने-अपने ग्रहों के स्वभाव, बल, स्थिति, युति, दृष्टि और शुभाशुभ योगों के अनुसार अलग-अलग प्रकार के फल देती हैं। गुरु की महादशा में मिलने वाले वास्तविक अनुभवों को समझने के लिए यह आवश्यक है कि हम गुरु के साथ चल रही अंतर्दशा के ग्रह को भी उतनी ही गहराई से देखें।

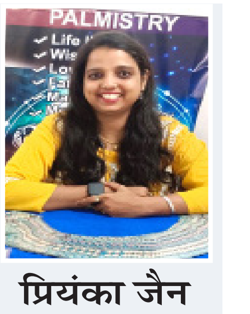

प्रियंका जैन
9769994439

जब गुरु में गुरु की ही अंतर्दशा आती है, तब सामान्यतः जीवन में संतुलन और शुभता का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। मेरे अनुभव में यह समय सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ाने वाला, परिवार में मांगलिक कार्य कराने वाला और भौतिक व मानसिक दोनों प्रकार की समृद्धि देने वाला होता है। यदि गुरु उच्च, मूलत्रिकोण, लग्नेश या किसी शुभ ग्रह से दृष्ट या युत हो, तो यह प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है। ऐसे समय में व्यक्ति के भीतर नैतिक गुणों का विकास होता है, आचार्यों और विद्वानों से संपर्क बढ़ता है तथा इच्छाओं की पूर्ति अपेक्षाकृत सहज होती है। वहीं यदि गुरु नीच का हो या किसी दुःस्थान में स्थित हो, तो यही काल संतान, दांपत्य या मान-सम्मान से जुड़े कष्ट भी दे सकता है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि केवल महादशा नहीं, ग्रह की वास्तविक स्थिति निर्णायक होती है।

गुरु में शनि की अंतर्दशा जीवन में कर्म और जिम्मेदारी का कठोर पाठ पढ़ाती है। यदि शनि या गुरु में से कोई भी ग्रह उच्च, मूलत्रिकोण या शुभ प्रभाव में हो, तो यह समय कर्मक्षेत्र में उन्नति, भूमि-भवन और वाहन के योग तथा वरिष्ठ और प्रभावशाली लोगों से संपर्क बढ़ाने वाला होता है। लेकिन यदि शनि नीच, अस्त या त्रिक भावों से जुड़ा हो, तो व्यक्ति के व्यवहार में कठोरता, अवगुण और मानसिक दबाव बढ़ने लगता है। अनुभव में यह भी देखा गया है कि इस समय जातक के भीतर अनुशासन की कमी होने पर नशे, अनैतिक आचरण या पारिवारिक तनाव जैसे परिणाम सामने आते हैं।

गुरु में बुध की अंतर्दशा को लेकर विद्वानों में मतभेद रहे हैं, पर अनुभवजन्य दृष्टि से यह अत्यंत संवेदनशील काल होता है। यदि गुरु और बुध शुभ संबंध में हों, नवपंचम या केंद्र योग बनाते हों, तो यह समय विद्या, बौद्धिक उन्नति, आर्थिक लाभ और सामाजिक पहचान बढ़ाने वाला होता है। व्यक्ति की वाणी प्रभावशाली होती है और धर्म व ज्ञान के प्रति रुचि बढ़ती है। इसके विपरीत यदि बुध या गुरु अशुभ स्थिति में हों, तो आर्थिक संकट, वाणी की अशुद्धता, संबंधों में गिरावट और स्वास्थ्य समस्याएं उभर सकती हैं। कई बार इस काल में व्यक्ति की भाषा में कटुता और अपशब्दों का प्रयोग बढ़ जाना भी देखा गया है।

गुरु में केतु की अंतर्दशा आध्यात्मिक झुकाव और वैराग्य का संकेत देती है। शुभ स्थिति में यह व्यक्ति को धर्म, साधना और आत्मचिंतन की ओर ले जाती है तथा समाज में सम्मान भी दिला सकती है। लेकिन अशुभ योग होने पर यही काल मानसिक विचलन, पारिवारिक विछोह, आर्थिक हानि या कारावास जैसे भय भी उत्पन्न कर सकता है।

मासूम बेटी की हत्या कर गायब हुआ UP-112 का सिपाही

एजेंसी । बांदा

उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां यूपी 112 में तैनात पीएसी के सिपाही ने घरेलू विवाद के चलते अपनी ही तीन वर्षीय बेटी की हत्या कर दी, जबकि पत्नी को गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद आरोपी सिपाही फरार हो गया है और उसका मोबाइल यमुना नदी के किनारे मिलने से उसके नदी में कूदने की आशंका जताई जा रही है।

अस्पताल में हुई लहूलुहान बच्ची की मौत

घटना के समय चीख-पुकार सुनकर मकान मालिक और पड़ोसी मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम ने घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बबेरू पहुंचाया। हालत नाजुक होने पर दोनों को रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान तीन वर्षीय परी ने दम तोड़ दिया। गंभीर रूप से घायल महिला को बेहतर इलाज के लिए कानपुर रेफर किया गया है।

फरार सिपाही की यमुना नदी में तलाश तेज

पुलिस के अनुसार, आरोपी सिपाही गौरव कुमार फर्रुखाबाद जिले के मऊदरबाजा थाना क्षेत्र का निवासी है और वर्तमान में मरका थाने की डायल 112 सेवा में चालक के पद पर तैनात था। उसका मोबाइल फोन यमुना नदी के किनारे बरामद हुआ है, जिससे उसके नदी में कूदने की संभावना जताई जा रही है। क्षेत्राधिकारी बबेरू सौरभ सिंह ने बताया कि आरोपी की तलाश के लिए एसडीआरएफ, गोताखोरों और स्थानीय लोगों की मदद से यमुना नदी सहित आसपास के क्षेत्रों में व्यापक सर्च अभियान चलाया जा रहा है।

▸▸ बांदा में पारिवारिक विवाद बना खूनखराबे की वजह
▸▸ कुल्हाड़ी से पत्नी पर भी किया हमला, हालत गंभीर

मेले से लौटने के बाद हुआ विवाद

घटना मरका कस्बे की है। जानकारी के अनुसार, बुधवार को आरोपी सिपाही गौरव कुमार अपनी पत्नी शिवानी और बेटी परी को मकर संक्रांति के अवसर पर लगे मेले में घुमाने ले गया था। देर शाम घर लौटने के बाद किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते हिंसक झगड़े में बदल गई। आरोप है कि विवाद के दौरान सिपाही ने कुल्हाड़ी से पत्नी और मासूम बेटी पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। दोनों को गंभीर हालत में छोड़कर आरोपी ने कमरे का दरवाजा बाहर से बंद किया और मौके से फरार हो गया।

2027 में अकेले मैदान मारेगी बसपा: मायावती

▸▸ जन्मदिन पर मायावती का बड़ा राजनीतिक ऐलान
▸▸ गठबंधन को बताया पार्टी के लिए नुकसानदेह

एजेंसी । लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने स्पष्ट किया है कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी किसी भी राजनीतिक दल के साथ गठबंधन नहीं करेगी। उन्होंने दावा किया कि बसपा अपने दम पर चुनाव लड़ेगी और पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी। अपने 70वें जन्मदिन के अवसर पर आयोजित पत्रकार वार्ता में मायावती ने कहा कि दलित, पिछड़े और शोषित वर्गों के हितों की रक्षा के लिए उनका संघर्ष अडिग है। किसी भी प्रकार के दबाव या प्रलोभन के आगे झुकने का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने कहा कि बसपा एक मूवमेंट है, जिससे वे कभी पीछे नहीं हटेंगी।

गठबंधन से बसपा को हमेशा हुआ नुकसान

मायावती ने पूर्व के राजनीतिक गठबंधनों पर खुलकर अपनी राय रखते हुए कहा कि गठबंधन का अनुभव बसपा के लिए लाभकारी नहीं रहा। अपर जातियों का मत अन्य जातिवादी दलों को स्थानांतरित हो जाता है, जबकि दलित वोट के सहारे सहयोगी दल फायदा उठाते हैं। उन्होंने कहा कि इसी कारण भविष्य में सभी चुनाव बसपा अकेले लड़ेगी। ्रदेश की मौजूदा भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए मायावती ने कहा कि वर्तमान शासन में कानून व्यवस्था कमजोर हुई है और ब्राह्मण समाज की उपेक्षा की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि बसपा सरकार के कार्यकाल में सभी वर्गों—ब्राह्मण, दलित, यादव, गुर्जर सहित—को समान सम्मान और भागीदारी मिली थी।

न्यूज़ ब्रीफ

40 लाख की चरस संग दो अंतरराष्ट्रीय तस्कर दबोचे गए

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद पुलिस और एएनटीएफ आगरा की संयुक्त कार्रवाई में नेपाल से लाई जा रही भारी मात्रा में चरस पकड़ी गई है। टीम ने अंतरराष्ट्रीय तस्करी नेटवर्क से जुड़े दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से करीब 5.75 किलोग्राम चरस बरामद की, जिसकी बाजार कीमत लगभग 40 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी नेपाल से मादक पदार्थ मंगवाकर जिले में सप्लाई करने की तैयारी में थे। पूछताछ में खुलासा हुआ कि चरस की डिलीवरी स्थानीय चौराहे पर होनी थी, जिसके बाद इसे फुटकर बिक्री के लिए आगे बढ़ाया जाता। पुलिस ने तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश शुरू कर दी है।

छपरा जंक्शन पर स्टंटबाजी पड़ी महंगी, छह पहुंचे हवालात

सारण। छपरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले युवाओं के खिलाफ रेलवे सुरक्षा एजेंसियों ने कड़ी कार्रवाई की है। सीआईबी और रेलवे सुरक्षा बल की संयुक्त टीम ने चेकिंग अभियान के दौरान स्टेशन परिसर में मोटरसाइकिल से स्टंट करने और सोशल मीडिया के लिए रील बनाने वाले छह युवकों को गिरफ्तार किया है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, आरोपी प्रतिबंधित क्षेत्र में बिना अनुमति प्रवेश कर शोर-शराबा कर रहे थे, जिससे यात्रियों को परेशानी हो रही थी और रेल संचालन प्रभावित हुआ। उनके पास से तीन मोटरसाइकिल और छह मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। रेलवे प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि स्टेशन परिसर में इस तरह की गतिविधियां गैरकानूनी और खतरनाक हैं तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

कार की रफ्तार ने छीनी नाबालिग छात्र की जिंदगी

बलिया। बलिया जिले के उभांव थाना क्षेत्र में बुधवार अपराह्न एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। उभांव मोड़ के पास तेज रफ्तार कार की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार एक नाबालिग छात्र की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके दो साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा इतना अचानक और भयावह था कि कुछ ही पलों में खुशियां मातम में बदल गईं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, चौकिया-उभांव मार्ग पर एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन किशोर उभांव की ओर से आ रहे थे। रास्ते में उन्होंने सड़क किनारे बाइक खड़ी की और अपने एक मित्र से बातचीत करने लगे। तभी चौकिया मोड़ की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने नियंत्रण खोते हुए उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों किशोर सड़क पर दूर जा गिरे और आसपास अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे में कक्षा 9वीं के छात्र करण यादव, उम्र लगभग 14 वर्ष, की मौके पर ही मौत हो गई। करण की असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वहीं उसके दो साथी, 16 वर्षीय प्रिंस तुरहा और 15 वर्षीय शैलेष, गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सीयर ले जाया गया, जहां से उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल

साइबर ठगी: आजमगढ़ में सामने आया चीनी कनेक्शन

▸▸ अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी गिरोह बेनकाब, चीनी नेटवर्क से जुड़ाव उजागर
▸▸ टेलीग्राम के जरिए युवाओं को मुनाफे का झांसा देकर की जा रही ठगी

एजेंसी । आज़मगढ़

आजमगढ़ जिले की साइबर क्राइम थाना पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय एक संगठित साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह टेलीग्राम के माध्यम से चीनी साइबर अपराधियों के निर्देश पर काम कर रहा था और देशभर में लोगों को ऑनलाइन निवेश के नाम पर ठग रहा था।

लखनऊ से गिरफ्तारी, लग्जरी वाहन बरामद

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लखनऊ के गुडम्बा क्षेत्र से अभिषेक गुप्ता और शाश्वत अवस्थी को गिरफ्तार किया। अभियुक्तों के पास से 6.32 लाख रुपये नकद, 11 मोबाइल फोन, 12 एटीएम कार्ड, 9 चेकबुक, बैंक पासबुक, कैश काउंटिंग मशीन, एक स्कॉर्पियो वाहन, विदेशी सिम कार्ड सहित कई डिजिटल साक्ष्य बरामद किए गए, जिन्हें विधिक प्रक्रिया के तहत सील किया गया है।

क्रिप्टो करंसी के जरिए चीन भेजते थे रकम

जांच में सामने आया कि अभियुक्त भारतीय बैंक खातों में ठगी की रकम मंगवाकर उसे नकद निकालते थे और फिर USDT क्रिप्टो करेंसी में बदलकर चीनी हैंडलरों तक पहुंचाते थे। पुलिस के अनुसार मुख्य अभियुक्त अब तक 10 से 15 करोड़ रुपये तक की रकम क्रिप्टो माध्यम से ट्रांसफर कर चुका है। मामले में आगे की जांच जारी है।

पहले भी चार अभियुक्त हुए हैं गिरफ्तार

मामले की विवेचना के दौरान पुलिस ने अक्टूबर 2025 में इसी गिरोह से जुड़े चार अन्य अंतर्राज्यीय अभियुक्तों को गिरफ्तार किया था। आगे की जांच में गिरोह के मुख्य संचालक अभिषेक गुप्ता और उसके सहयोगी शाश्वत अवस्थी की भूमिका सामने आई, जो चीनी साइबर अपराधियों से सीधे संपर्क में थे और पूरे नेटवर्क का संचालन कर रहे थे।

वेबसाइट पर प्रोडक्ट बूस्ट के नाम पर ठगी

एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि यह मामला सितंबर 2025 में सामने आया था, जब रौनापार थाना क्षेत्र के एक ग्रामीण ने साइबर ठगी की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में बताया गया कि उसके पुत्र को टेलीग्राम ग्रुप में जोड़कर वेबसाइट पर प्रोडक्ट बूस्ट करने के बदले अधिक लाभ का लालच दिया गया और अलग-अलग खातों में रकम जमा कराकर ठगी कर ली गई।

गंडक नदी से मिले मां और तीन बच्चों के शव

▸▸ बच्चों के साथ चार दिन से लापता चल रही थी महिला

एजेंसी । मुजफ्फरपुर

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहां गंडक नदी से एक महिला और उसके तीन मासूम बच्चों के शव बरामद किए गए हैं। चारों बीते चार दिनों से लापता थे, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई है। गुरुवार को अहियापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत चंदवारा पुल के समीप नदी में शव उतराते देख स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शवों को बाहर निकलवाया और पूरे क्षेत्र को घेरकर जांच शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की टीम को भी बुलाया गया है।

आटो चालक की पत्नी के रूप में हुई शिनाख्त

पुलिस ने मृत महिला की पहचान ममता के रूप में की है, जो पेशे से ऑटो चालक कृष्ण मोहन की पत्नी थी। बताया गया है कि ममता कुछ दिन पहले अपने तीन बच्चों के साथ अचानक घर से निकल गई थी। उसके वापस न लौटने पर परिजनों ने अहियापुर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी।

पति के बाहर जाने पर घर से निकली थी

परिजनों के अनुसार, घटना के दिन कृष्ण मोहन काम पर गया हुआ था। उसी दौरान ममता बच्चों को लेकर घर से चली गई। शाम तक कोई खबर न मिलने पर रिश्तेदारों और परिचितों के यहां तलाश की गई, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। ममता घर से निकलते समय आवश्यक सामान भी नहीं ले गई थी। परिजनों ने इस घटना को साजिशन अपहरण और हत्या से जोड़ते हुए गंभीर आशंका जताई है।

मकर संक्रांति: एक माह के लिए घृत गुफा में पहुंचे महादेव

देहरादून। उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र में स्थित अल्मोड़ा जिले का प्राचीन जागेश्वर धाम एक बार फिर अपनी विशिष्ट धार्मिक परंपरा के कारण श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना है। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर यहां भगवान शिव को घृत से निर्मित विशेष गुफा में विराजमान किया गया, जहां वे आगामी एक माह तक तपस्यारत रहेंगे। परंपरा के अनुसार, इस अवसर पर 251 किलोग्राम शुद्ध देशी गाय के घी से घृत गुफा का निर्माण किया गया। मंदिर के मुख्य पुजारी महामंडलेश्वर पंडित हेमंत भट्ट के नेतृत्व में वैदिक मंत्रोच्चार और विधिविधान के साथ पूजा-अर्चना संपन्न हुई, जिसके बाद भगवान भोलेनाथ को घृत गुफा में स्थापित किया गया। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गाय के घी को जल के साथ पिघलाकर ठंडा किया जाता है और फिर उसे गुफानुमा आकृति प्रदान की जाती है।

विश्व बैंक का भरोसा बढ़ा, GDP अनुमान में इजाफा

▸▸ 2025-26 के लिए विकास दर 7.2 प्रतिशत आंकी

एजेंसी । नई दिल्ली

वैश्विक चुनौतियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर सकारात्मक संकेत सामने आए हैं। विश्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया है। यह संशोधन मजबूत घरेलू मांग और कर सुधारों से मिले समर्थन के आधार पर किया गया है।

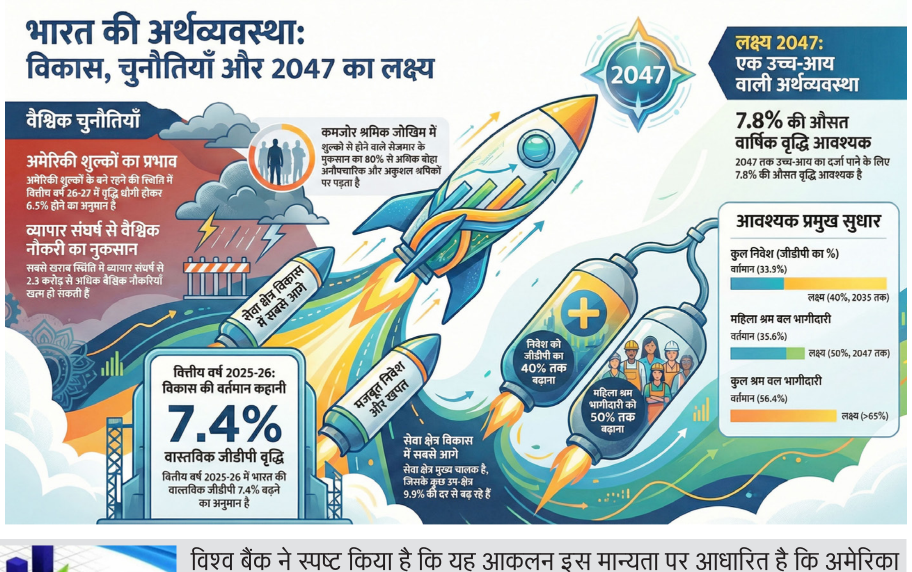

जून के अनुमान से 0.9 प्रतिशत अधिक आकलन

विश्व बैंक की नवीनतम रिपोर्ट 'वैश्विक आर्थिक संभावनाएं' के अनुसार, भारत की आर्थिक वृद्धि का यह नया अनुमान जून में जताए गए अनुमान से 0.9 प्रतिशत अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आंतरिक उपभोग, सार्वजनिक निवेश और नीतिगत सुधारों ने विकास को मजबूती प्रदान की है। रिपोर्ट में यह भी अनुमान जताया गया है कि वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर घटकर 6.5 प्रतिशत रह सकती है। वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और व्यापारिक अनिश्चितताओं के चलते विकास की गति में हल्की नरमी आने की आशंका जताई गई है।

वैश्विक शुल्क व्यवस्था को ध्यान में रखकर अनुमान

विश्व बैंक ने स्पष्ट किया है कि यह आकलन इस मान्यता पर आधारित है कि अमेरिका की ओर से 50 प्रतिशत आयात शुल्क की मौजूदा व्यवस्था बनी रहेगी। इसके बावजूद बैंक का कहना है कि भारत प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा। रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2027-28 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर बढ़कर 6.6 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। इसे सेवा क्षेत्र की मजबूत गतिविधियों, निर्यात में संभावित सुधार और निवेश में तेजी से समर्थन मिलने की उम्मीद जताई गई है।

1.87% बढ़ोत्तरी के साथ निर्यात 38.5 अरब डॉलर

दिसंबर में निर्यात में हल्की मजबूती, आयात बढ़ने से व्यापार घाटा और चौड़ा

एजेंसी । नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में जारी अनिश्चितता के बावजूद भारत के निर्यात ने दिसंबर महीने में सीमित लेकिन सकारात्मक बढ़त दर्ज की है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर में देश का निर्यात 1.87 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 38.5 अरब डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि, आयात में तेज उछाल के चलते व्यापार संतुलन पर दबाव बना रहा।

आयात में उछाल, घाटा 25 अरब डॉलर के पार

दिसंबर के दौरान देश का आयात 8.7 प्रतिशत बढ़कर 63.55 अरब डॉलर पर पहुंच गया। आयात और निर्यात के बीच बढ़ते अंतर के कारण व्यापार घाटा बढ़कर 25.04 अरब डॉलर हो गया। इससे पहले नवंबर 2025 में व्यापार घाटा 24.53 अरब डॉलर था, जबकि दिसंबर 2024 में यह आंकड़ा 22 अरब डॉलर दर्ज किया गया था।

चालू वित्त वर्ष में निर्यात-आयात दोनों में वृद्धि

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल से दिसंबर अवधि के दौरान वस्तु निर्यात में 2.44 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह 330.29 अरब डॉलर तक पहुंच गया। इसी अवधि में कुल आयात 5.9 प्रतिशत बढ़कर 578.61 अरब डॉलर रहा। इसके परिणामस्वरूप चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में कुल व्यापार घाटा 248.32 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारतीय निर्यात में सकारात्मक संकेत दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिसंबर महीने में इंजीनियरिंग उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक्स, समुद्री उत्पाद और औषधि क्षेत्र ने निर्यात वृद्धि में अहम भूमिका निभाई। इस दौरान अमेरिका, चीन और संयुक्त अरब अमीरात को निर्यात में भी स्थिर प्रगति दर्ज की गई। राजेश अग्रवाल ने विश्वास जताया कि मौजूदा रुझानों को देखते हुए चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का कुल निर्यात (वस्तु और सेवाएं मिलाकर) 850 अरब डॉलर के स्तर को पार कर सकता है।

रिकार्ड उछाल: चांदी तीन लाख रुपये के पार

सफेद धातु की कीमतों में ऐतिहासिक उछाल, कई शहरों में तीन लाख का आंकड़ा पार

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में चांदी की कीमतों ने बुधवार को नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया। कारोबार की शुरुआत के साथ ही चांदी के दामों में तेज उछाल देखने को मिला, जिसके चलते देश के अधिकांश प्रमुख बाजारों में इसकी कीमत तीन लाख रुपये प्रति किलोग्राम के करीब पहुंच गई, जबकि कुछ शहरों में यह स्तर पार भी कर गया।

दिल्ली समेत प्रमुख बाजारों में दाम मजबूत

राजधानी दिल्ली के सर्राफा बाजार में चांदी 15 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़त के साथ 2,90,100 रुपये के स्तर पर पहुंच गई। वहीं मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता में इसके भाव 2,89,900 रुपये प्रति किलोग्राम दर्ज किए गए। जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 2,90,200 रुपये प्रति किलोग्राम के आसपास बनी रही। बेंगलुरु में चांदी 2,90,400 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही है, जबकि पटना और भुवनेश्वर में इसके दाम 2,90,000 रुपये प्रति किलोग्राम दर्ज किए गए। दक्षिण भारत में हैदराबाद में चांदी 12,400 रुपये की तेजी के साथ 3,09,800 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

अलग-अलग शहरों में 15000 तक की तेजी

आज देश के विभिन्न हिस्सों में चांदी 12 हजार से 15 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक महंगी हो गई। इस तेजी के बाद सर्राफा बाजारों में चांदी के भाव 2,89,900 रुपये से लेकर 3,10,000 रुपये प्रति किलोग्राम के दायरे में दर्ज किए गए। कीमतों में आई इस उछाल ने निवेशकों और कारोबारियों का ध्यान खींचा है।

फ्लिपकार्ट में जेन ड्यूक बनीं मुख्य नैतिकता एवं अनुपालन अधिकारी

आईपीओ की तैयारी के बीच गवर्नेंस ढांचे को मिला मजबूती का आधार

नई दिल्ली/बेंगलुरु। वॉलमार्ट समर्थित ई-कॉमर्स दिग्गज फ्लिपकार्ट ने अपने कॉर्पोरेट गवर्नेंस ढांचे को सशक्त बनाने की दिशा में अहम कदम उठाते हुए जेन ड्यूक को मुख्य नैतिकता एवं अनुपालन अधिकारी नियुक्त किया है। कंपनी यह नियुक्ति संभावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की तैयारी के क्रम में कर रही है।

वॉलमार्ट और फ्लिपकार्ट नेतृत्व के साथ करेंगी समन्वय

कंपनी की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि जेन ड्यूक, वॉलमार्ट इंटरनेशनल के मुख्य नैतिकता एवं अनुपालन अधिकारी क्रिस साइरेन को रिपोर्ट करेंगी। इसके साथ ही वह फ्लिपकार्ट समूह के मुख्य कार्यपालक अधिकारी कल्याण कृष्णमूर्ति के साथ मिलकर समूह की नैतिकता और अनुपालन रणनीतियों पर कार्य करेंगी। जेन ड्यूक के पास प्रवर्तन और कॉर्पोरेट अनुपालन के क्षेत्र में लगभग 30 वर्षों का व्यापक अनुभव है। उन्होंने टायसन फूड्स में मुख्य अनुपालन अधिकारी, उपाध्यक्ष तथा एसोसिएट जनरल काउंसल के रूप में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं। इससे पहले उन्होंने अमेरिका के अर्कांसस राज्य के पूर्वी जिले में अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय में भी एक दशक से अधिक समय तक सेवा दी है। फ्लिपकार्ट समूह के सीईओ कल्याण कृष्णमूर्ति ने कहा कि जेन ड्यूक का वैश्विक और जटिल संगठनों में कार्य करने का अनुभव कंपनी की पारदर्शिता, नैतिकता और जिम्मेदार कारोबारी प्रथाओं को और मजबूत करेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि यह नियुक्ति दीर्घकालिक गवर्नेंस लक्ष्यों को गति देगी।

ममता सरकार को 'सुप्रीम' झटका

- सुप्रीम कोर्ट की ईडी अफसरों पर दर्ज एफआईआर पर रोक
- I-PAC रेड मामले में ममता सरकार को नोटिस

एजेंसी । नई दिल्ली

I-PAC रेड मामले में ED की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को बंगाल सरकार को नोटिस जारी किया और दो हफ्तों में जवाब मांगा। कहा कि केंद्रीय एजेंसी के आरोप गंभीर है। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस विपुल पंचोली की बेंच ने कहा कि सरकार ED के काम में दखल न डालें। एजेंसी को अपना काम करने दें। कोर्ट ने 3 फरवरी को अगली सुनवाई तक ED अधिकारियों के खिलाफ दर्ज FIR पर भी रोक लगा दी है।

ममता सरकार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका : भाजपा

भाजपा ने कहा- आज ममता बनर्जी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। इससे साबित हो गया है कि जंगल राज कैसा होता है। राज्य सरकार को जांच एजेंसी की मदद करनी चाहिए, लेकिन ममता बनर्जी ने फाइलें ही ले लीं। जो सोचता है कि वह संविधान से ऊपर हैं। अब यह नहीं चलेगा। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल द्वारा ED अधिकारियों के खिलाफ दायर FIR पर रोक लगा दी है।

एजेंसी के काम में रुकावट न डालें: सुको

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- इस मामले में कुछ बड़े सवाल हैं, जिनका जवाब नहीं मिला तो अराजकता फैल सकती है। अगर केंद्रीय एजेंसियां किसी गंभीर अपराध की जांच के लिए ईमानदारी से अपना काम कर रही हैं, तो क्या उन्हें राजनीति करके रोका जा सकता है?

2,742 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग केस से जुड़ा I-PAC छापा मामला

ED ने कोयला तस्करी से जुड़े 2,742 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग केस को लेकर I-PAC डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर और ऑफिस पर छापा मारा था। CBI ने इस मामले में 27 नवंबर 2020 को FIR दर्ज की थी। ED ने 28 नवंबर 2020 को इसकी जांच शुरू की थी। यह मामला अब 5वें साल में है, लेकिन कार्रवाई ठीक उस वक्त सामने आई, जब बंगाल में मार्च-अप्रैल 2026 में चुनाव होने हैं। I-PAC भारत की पॉलिटिकल कंसल्टेंसी कंपनी है, जो राजनीतिक दलों के लिए बड़े स्तर पर चुनावी अभियानों का काम करती है। आरोप है कि 20 करोड़ हवाला के जरिए I-PAC तक ट्रांसफर हुए। ED ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है, जिसमें कहा गया कि राज्य सरकार ने जांच में बाधा डाली और सबूत नष्ट किए।

पश्चिम बंगाल जांच: सुप्रीम कोर्ट का 'सुप्रीम' दखल

सुप्रीम कोर्ट ने I-PAC रेड मामले में पश्चिम बंगाल सरकार को नोटिस जारी किया है और ED की जांच में बाधा न डालने का निर्देश दिया है।

ED अधिकारियों पर FIR पर रोक	एजेंसी के काम में दखल न दें	₹2,742 करोड़ का मनी लॉन्ड्रिंग केस	कोर्ट ने कहा - आरोप गंभीर हैं
सुप्रीम कोर्ट ने अगली सुनवाई तक ED अधिकारियों के खिलाफ राज्य सरकार द्वारा दर्ज FIR पर रोक लगा दी है।	कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि सरकार ED को अपना काम करने दे और जांच में दखलंदाजी न करे।	यह पूरा मामला कोयला तस्करी से जुड़े एक बड़े मनी मनी लॉन्ड्रिंग केस की जांच से संबंधित है।	सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय एजेंसी द्वारा लगाए गए आरोपों को गंभीर माना गंभीर माना और कहा कि जवाब न मिलने पर अराजकता फैल सकती है।

ईरान में फंसे भारतीय नागरिकों को निकालेगी सरकार

आज से शुरू हो सकता है वतन वापसी का अभियान

एजेंसी । नई दिल्ली

ईरान में पिछले 15 दिनों से जारी हिंसा और विरोध प्रदर्शनों के चलते स्थिति बेहद ही भयावह हो गई है। भारत सरकार ईरान में फंसे नागरिकों को निकालने की तैयारी कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, भारत सरकार ने नागरिकों को वापस लाने के लिए शुक्रवार से अभियान शुरू कर सकती है। सूत्रों के अनुसार, विदेश मंत्रालय ईरान में मौजूदा अस्थिर स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहा है और उन भारतीय नागरिकों की घर वापसी की सुविधा प्रदान करने के लिए व्यापक तैयारियां कर रहा है जो भारत लौटने के इच्छुक हैं।

ईरान में बीते 15 दिनों से हिंसा का दौर जारी

ईरान में पिछले 15 दिनों से विरोध प्रदर्शनों और हिंसा का सिलसिला जारी है, जिसने वहां की आंतरिक स्थिति को अत्यंत गंभीर बना दिया है। रिपोर्टों के अनुसार, सुरक्षा की दृष्टि से स्थिति अब भयावह स्तर तक पहुंच गई है। इससे वहां रह रहे विदेशी नागरिकों, विशेषकर भारतीयों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। इस उभरती हुई परिस्थिति को देखते हुए, केंद्र सरकार ने प्राथमिकता के आधार पर अपने नागरिकों को वहां से निकालने की योजना को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है।

मिशन की रूपरेखा और विदेश मंत्रालय की भूमिका

आधिकारिक सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, भारत सरकार ईरान में फंसे नागरिकों को वापस लाने के लिए शुक्रवार से एक विशेष अभियान की शुरुआत कर सकती है। विदेश मंत्रालय वर्तमान में उन नागरिकों का डेटा और विवरण जुटाने और व्यवस्था करने की प्रक्रिया में है जो वर्तमान परिस्थितियों के कारण भारत वापस आने की इच्छा रखते हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

इंफाल घाटी में पांच उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर की इंफाल घाटी में पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि प्रतिबंधित संगठन कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी (नोयन) के तीन सदस्यों को इंफाल पूर्व जिले के मंत्रीपुखरी लामलोंगेई मानिंग लीकाई से गिरफ्तार किया गया है। इन स्थानीय व्यापारियों से जबरन वसूली का आरोप है। वहीं, प्रतिबंधित संगठन कांगलेई यावोल कन्ना लुप के सदस्य 35 वर्षीय शगोलसेम लोकेशोर सिंह को इंफाल पश्चिम जिले के सेकमाई खुनू से और केवाईकेएल (सोरेपा) के सदस्य 19 वर्षीय शमुलैलातपम अर्बिन शर्मा के रूप में हुई है।

यूरोपीय संघ के प्रेसिडेंट 77वें गणतंत्र दिवस में होंगे मुख्य अतिथि

नई दिल्ली। भारत ने 77वें गणतंत्र दिवस के लिए मुख्य मेहमानों की घोषणा कर दी है। यूरोपियन काउंसिल के प्रेसिडेंट एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा और यूरोपियन कमीशन की प्रेसिडेंट, उर्सुला वॉन डेर लेयेन 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य मेहमान के तौर पर शामिल होंगे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत और यूरोपीय संघ (EU) 2004 से रणनीतिक साझेदार हैं। पीएम मोदी ने दोनों नेताओं को समारोह में शामिल होने का न्योता दिया है। ये नेता 27 जनवरी को 16वें भारत-EU शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता भी करेंगे।

भारतीय सीमा में घुसी अवैध पाकिस्तानी नाव जब्त

नई दिल्ली। भारतीय कोस्ट गार्ड ने अरब सागर में एक बड़ी कार्रवाई की है। अधिकारियों ने बताया कि कोस्ट गार्ड ने भारतीय समुद्री सीमा के अंदर मछली पकड़ने वाली एक पाकिस्तानी नाव को पकड़ा है। यह नाव अवैध तरीके से भारतीय समुद्री सीमा के अंदर घुस आई थी। नाव पर कुल नौ लोग सवार थे। कोस्ट गार्ड की टीम ने नाव को रोककर इन सभी क्रू मेंबर्स को पकड़ लिया है। मामले में गुजरात डिफेंस पीआरओ विंग कमांडर अभिषेक कुमार तिवारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया यह कार्रवाई 14 जनवरी, 2026 की रात को हुई। गश्त कर रहे भारतीय जहाज ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा के पास इस नाव को देखा। जब कोस्ट गार्ड ने उन्हें चुनौती दी, तो नाव ने पाकिस्तान की तरफ भागने की कोशिश की। भारतीय जहाज ने पीछा करके उसे रोक लिया। इस पाकिस्तानी नाव का नाम 'अल-मदीना' है। अब कोस्ट गार्ड का जहाज इस नाव को पोरबंदर ले जा रहा है। वहां नाव की अच्छे से तलाशी होगी। साथ ही, सुरक्षा एजेंसियां पकड़े गए लोगों से पूछताछ करेंगी।

निषेधाज्ञा उल्लंघन मामले में अलका लांबा पर आरोप तय

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट ने पूर्व विधायक अलका लांबा के खिलाफ निषेधाज्ञा के उल्लंघन और सरकारी कार्य में बाधा डालने के मामले में औपचारिक रूप से आरोप तय कर दिए हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि मामले में प्रथम दृष्टया आरोप बनते हैं, जिसके आधार पर उनके खिलाफ मुकदमा चलाया जाएगा। यह मामला जंतर-मंतर पर वर्ष 2024 के आम चुनाव से पहले ही महिला आरक्षण लागू करने की मांग को लेकर किए गए प्रदर्शन से जुड़ा है। आरोप है कि इस दौरान निषेधाज्ञा लागू होने के बावजूद प्रदर्शन किया गया, जिससे कानून-व्यवस्था प्रभावित हुई और ड्यूटी पर तैनात सार्वजनिक सेवकों के कार्य में बाधा पहुंची। इस संबंध में वर्ष 2024 में संसद मार्ग थाना में मुकदमा दर्ज किया गया था। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अश्वनी पंवार की अदालत ने औपचारिक रूप से आरोप तय करते हुए कहा कि रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री के आधार पर आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 132, 221, 223(ए) और 285 के तहत मामला बनता है। इस दौरान अदालत के समक्ष पेश हुईं अलका लांबा ने सभी आरोपों से इनकार किया और खुद को निर्दोष बताते हुए मुकदमे का सामना करने की इच्छा जताई। उनके इनकार के बाद अदालत ने मामले में आगे की सुनवाई के लिए 22 जनवरी की तारीख तय कर दी है।

दिल्ली हवाई अड्डे पर एयर इंडिया का विमान क्षतिग्रस्त

इंजन में फंसा सामान बड़ा हादसा टला

नई दिल्ली। दिल्ली हवाई अड्डे पर गुरुवार सुबह एअर इंडिया के एक एयरबस ए350 विमान का इंजन क्षतिग्रस्त हो गया। एयरलाइन के मुताबिक, यह हादसा तब हुआ जब विमान टैक्सी (टेक-ऑफ या लैंडिंग के बाद रनवे पर चल रहा था) कर रहा था और घना कोहरा था। इसी दौरान विमान ने एक बैगेज कंटेनर को अपने इंजन में खींच लिया, जिससे इंजन को नुकसान पहुंचा। बता दें कि एअर इंडिया की ये फ्लाइट दिल्ली से न्यूयॉर्क (जेएफके) जा रही थी। फ्लाइट को उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद वापस दिल्ली लौटना पड़ा क्योंकि ईरानी हवाई क्षेत्र अचानक बंद हो गया था। हादसे के बाद जहां ओर यात्रियों और आम लोगों में थोड़ी अफरातफरी मची, वहीं एअर इंडिया ने तुरंत कार्रवाई करते हुए स्थिति को नियंत्रण में कर लिया। समय रहते एयरलाइन ने विमान को तुरंत सुरक्षित पार्किंग एरिया में खड़ा किया। यह भी बताया गया है कि इस घटना में किसी भी यात्री या क्रू मेंबर को कोई चोट नहीं आई। इसके साथ ही विमान को पूरी तरह जांच और जरूरी मरम्मत के लिए ग्राउंड कर दिया गया है।

यात्रियों के लिए क्या कर रहा एयरलाइन?

दूसरी ओर एअर इंडिया ने प्रभावित यात्रियों के लिए भी कदम उठाए। एयरलाइन ने कहा कि उन्हें वैकल्पिक फ्लाइट्स और रिफंड की सुविधा दी जा रही है। इस दौरान एयरलाइन ने स्पष्ट किया कि यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा ही उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। वहीं नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है। जांच में यह पता लगाया जाएगा कि इंजन में यह विदेशी वस्तु कैसे फंस गई। एअर इंडिया ने चेतावनी दी है कि कुछ A350 रूट्स पर फ्लाइट्स प्रभावित हो सकती हैं।

तिंथानी कनक गुरु पीठ के सिद्धरामानंद स्वामी का निधन

एजेंसी । बेंगलूरू

कर्नाटक के तिंथानी कनक गुरु पीठ के प्रमुख और कलबुर्गी डिविजनल कनकगुरु पीठ के अधिष्ठाता सिद्धरामानंद स्वामी का गुरुवार तड़के हार्ट अटैक से निधन हो गया। उनका जन्म नाम मोहन प्रधान था और वे चित्रदुर्ग जिले के निवासी थे।

सूत्रों के अनुसार, स्वामी ने रात में भजनों में भाग लेने के बाद अचानक ब्लड प्रेशर गिरने की वजह से स्वास्थ्य बिगड़ गया। उन्हें लिंगसुगुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन उपचार के दौरान सुबह लगभग 3.40 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने स्वामी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सिद्धरामानंद स्वामी का समाज कल्याण और धार्मिक गतिविधियों में योगदान राज्य के लिए अपूरणीय क्षति है।

'जन नायकन' के निर्माता की याचिका खारिज

नई दिल्ली। विजय की आगामी फिल्म 'जन नायकन' की रिलीज पर कानूनी संकट गहराता जा रहा है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (CBFC) को प्रमाण-पत्र जारी करने का निर्देश देने वाली याचिका खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने मद्रास हाईकोर्ट में मामले के निपटारे की धीमी गति पर टिप्पणी की और निर्माताओं को 20 जनवरी को हाईकोर्ट की खंडपीठ के समक्ष अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया। निर्माताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने दलील दी कि रिलीज में हो रही इस देरी से उन्हें गंभीर आर्थिक क्षति हो रही है, जिसके बाद शीर्ष अदालत ने हाईकोर्ट को 20 जनवरी तक मामले पर फैसला करने को कहा है।

रिलीज में देरी

केवीएन प्रोडक्शंस एलएलपी ने मद्रास हाईकोर्ट के उस अंतरिम आदेश को चुनौती दी है, जिसने प्रमाण-पत्र जारी करने के एकल जज के फैसले पर रोक लगा दी थी। यह फिल्म पहले 9 जनवरी को पोंगल के अवसर पर रिलीज होनी थी, लेकिन कानूनी विवाद के कारण इसे टालना पड़ा। 'जन नायकन' को लेकर दर्शकों के बीच भारी उत्साह है क्योंकि यह अभिनेता विजय के राजनीति में पूर्ण रूप से प्रवेश करने से पहले उनकी आखिरी फिल्म मानी जा रही है। अब सभी की निगाहें 20 जनवरी को होने वाली अगली सुनवाई पर टिकी हैं, जो फिल्म का भविष्य तय करेगी।

दिसंबर में बेरोजगारी दर बढ़कर 4.8% हुई

एजेंसी । नई दिल्ली

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (Mo-SPI) की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर 2025 में भारत की बेरोजगारी दर में मामूली वृद्धि दर्ज की गई है। 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए बेरोजगारी दर (UR) नवंबर के 4.7 प्रतिशत के मुकाबले बढ़कर 4.8 प्रतिशत पर पहुंच गई है।

कार्यबल भागीदारी और रोजगार अनुपात का क्या हाल है?

बेरोजगारी दर में मामूली वृद्धि के बावजूद, देश के समग्र वर्कर पॉपुलेशन रेशयो (WPR) में सुधार देखा गया है। WPR, जो कुल जनसंख्या में नियोजित व्यक्तियों के अनुपात को दर्शाता है, दिसंबर में बढ़कर 53.4 प्रतिशत हो गया, जो नवंबर में 53.2 प्रतिशत था।

शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के आंकड़े क्या कह रहे?

दिसंबर 2025 के पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे (PLFS) के बुलेटिन से पता चलता है कि ग्रामीण भारत में बेरोजगारी दर 3.9 प्रतिशत पर स्थिर बनी हुई है। इसके विपरीत, शहरी क्षेत्रों में रोजगार की स्थिति में गिरावट देखी गई है, जहां बेरोजगारी दर पिछले महीने के 6.5 प्रतिशत से बढ़कर 6.7 प्रतिशत हो गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में 15 वर्ष से अधिक आयु के पुरुषों के बीच बेरोजगारी दर 4.1 प्रतिशत पर स्थिर और कम बनी हुई है। वहीं, शहरी महिलाओं के लिए एक राहत भरी खबर सामने आई है, जहां बेरोजगारी दर नवंबर के 9.3 प्रतिशत से घटकर दिसंबर में 9.1 प्रतिशत पर आ गई है।

चैतन्य की जमानत को चुनौती मामले में सुनवाई स्थगित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे चैतन्य बघेल की जमानत को चुनौती देने वाली राज्य सरकार की अपील पर सुनवाई स्थगित कर दी है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ के समक्ष राज्य की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी ने दलील दी कि बघेल इस पूरे घोटाले के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक थे। इसके विपरीत, बघेल का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने तर्क दिया कि इस मामले की जांच पिछले दो वर्षों से चल रही है और हाईकोर्ट ने सभी तथ्यों

पर गंभीरता से विचार करने के बाद ही उन्हें जमानत दी है। यह विवाद छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित कथित शराब घोटाले से जुड़ा है, जिसमें छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने 2 जनवरी को चैतन्य बघेल को दो अलग-अलग मामलों में जमानत दे दी थी। राज्य सरकार ने हाईकोर्ट के इसी आदेश को शीर्ष अदालत में चुनौती दी है।

सैन्य ताकत — आधुनिक और जांबाज यूनिट से बढ़ेगी सेना की ताकत

सेना ने 'भैरव बटालियन' नाम से एक और घातक यूनिट तैयार की

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय सेना अपनी ताकत को और आधुनिक बनाने के लिए लगातार बड़े कदम उठा रही है। इसी कड़ी में सेना ने 'भैरव बटालियन' नाम से एक और घातक यूनिट तैयार की है। यह बटालियन इस साल 26 जनवरी को दिल्ली में होने वाली गणतंत्र दिवस परेड में पहली बार हिस्सा लेगी और कर्तव्य पथ पर मार्च करेगी। इससे पहले 15 जनवरी को जयपुर में हुए सेना दिवस समारोह में भी इस टुकड़ी ने अपनी झलक दिखाई। भैरव बटालियन सेना की एक छोटी लेकिन हाई-टेक इकाई है। इस बटालियन में करीब 250 सैनिक हैं। खास बात यह है कि इसके जवान सिर्फ पैदल सेना (इन्फैंट्री) से नहीं, बल्कि तोपखाना, एयर डिफेंस और सिग्नल जैसी अलग-अलग इकाइयों से चुने जाते हैं। इसका मकसद हर तरह की चुनौती से निपटने के लिए एक सक्षम टीम बनाना है। अब तक ऐसी करीब 15 बटालियन तैयार हो चुकी हैं और सेना की योजना कुल 25 बटालियन बनाने की है।

तैनाती और जिम्मेदारी

भैरव बटालियन को राजस्थान, जम्मू, लद्दाख और नॉर्थ-ईस्ट जैसे संवेदनशील इलाकों में तैनात किया जा रहा है। ये जवान दुश्मन के इलाके में भीतर तक घुसकर हमला करने, ड्रोन का इस्तेमाल करने और आधुनिक तकनीक के साथ लड़ने में माहिर हैं। आधुनिक युद्ध के बदलते तरीकों और हाइब्रिड वॉरफेयर को देखते हुए यह बटालियन भारत की सुरक्षा व्यवस्था का एक अहम हिस्सा बन गई है।

'फाइट टुनाइट' का फॉर्मूला

सेना ने इस यूनिट को 'फाइट टुनाइट' यानी 'आज रात ही युद्ध' की तर्ज पर तैयार किया है। इसका मतलब है कि ये जवान किसी लंबी योजना का इंतजार नहीं करते। ये चौबीसों घंटे दुश्मन पर हमला करने और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत जवाब देने के लिए तैयार रहते हैं। यह बटालियन सेना की स्पेशल फोर्सेज और रेगुलर इन्फैंट्री (सामान्य सेना) के बीच एक पुल का काम करेगी। इससे स्पेशल फोर्सेज को बड़े और ज्यादा अहम मिशन के लिए फ्री रखा जा सकेगा। इस बटालियन का नाम भगवान शिव के रौद्र रूप 'भैरव' पर रखा गया है। इसका आदर्श वाक्य 'अभयम् भैरव' है, जिसका मतलब है 'निर्भीक रक्षक'। बटालियन का प्रतीक चिह्न 'कोबरा' है। जैसे कोबरा का वार खाली नहीं जाता, वैसे ही यह यूनिट दुश्मन के लिए काल साबित होगी।

एग्जिट पोल में महायुति का जलवा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में 29 नगर निगमों के चुनाव के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है और एग्जिट पोल ने सभी पार्टियों को चौंका दिया है। इस पोल के अनुसार, महागठबंधन (भाजपा + शिवसेना शिंदे समूह +) राज्य की अधिकांश नगर पालिकाओं में आगे दिख रहा है। वहीं कुछ स्थानों पर अजीत पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को भी सत्ता में आने के संकेत मिल रहे हैं। दूसरी ओर, शिवसेना यूबीटी, एमएनएस और कांग्रेस दूसरे स्थान पर रहने की संभावना है। निर्दलीय और अन्य पार्टियों को सीमित सफलता मिलने की उम्मीद है। राज्य में गुरुवार को हुए इन चुनावों से संकेत मिल रहे हैं कि मतदाताओं ने विकास, स्थानीय मुद्दों और राजनीतिक गठबंधनों के प्रभाव में आकर मतदान किया। हालांकि, यह केवल एक एग्जिट पोल है, और वास्तविक परिणाम भिन्न हो सकते हैं। एग्जिट पोल के अनुसार, भाजपा को राज्य में सबसे अधिक सीटें मिलने की संभावना है, खासकर मुंबई, पुणे और नागपुर जैसे बड़े शहरों में उसकी मजबूत उपस्थिति है। शिवसेना-शिंदे गुट ने ठाणे और कल्याण-डोम्बिवली जैसे क्षेत्रों में अपनी मजबूत पकड़ दिखाई है। हालांकि शिवसेना-यूबीटी और कांग्रेस को सीमित सफलता मिली है, लेकिन कुछ नगर निगमों में उन्हें चुनौती देते हुए देखा जा रहा है। एनसीपी के दोनों गुटों को कुल मिलाकर कम सीटें मिलने की संभावना है, लेकिन अन्य दल और निर्दलीय उम्मीदवार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, खासकर वसई-विरार और मालेगांव जैसे क्षेत्रों में। राज्य की अधिकांश नगरपालिकाओं में महायुति बहुमत हासिल करने की स्थिति में है। हालांकि, कई नगरपालिकाओं में महाविकास अघाड़ी को विपक्षी दल की भूमिका निभानी पड़ सकती है। एमएनएस और अन्य दलों को भी कुछ सीटें मिलने की संभावना है। कुछ स्थानों पर वे निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। कुल सीटों के लिहाज से, महायुति राज्य की अधिकांश नगरपालिकाओं में दबदबा बनाए हुए है।

एमवीए हुई तितर-बितर

पुणे महानगरपालिका

पुणे नगर निगम (PMC) में भाजपा 93 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभर रही है। यहाँ अजित पवार गुट को 43, जबकि शरद पवार की एनसीपी और कांग्रेस को मात्र 8–8 सीटें मिलने का अनुमान है।

नागपुर महानगरपालिका

नागपुर में भाजपा (80–90) और कांग्रेस (45–55) के बीच सीधा मुकाबला उभरकर सामने आ रहा है। यह शहर संघ और भाजपा का गढ़ माना जाता है, लेकिन कांग्रेस की मजबूत वापसी संकेत देती है कि शहरी विदर्भ में ध्रुवीकरण तेज हुआ है। अन्य दल बेहद सीमित प्रभाव में हैं।

छत्रपति संभाजीनगर

इस महानगरपालिका में भाजपा (20–25) अपेक्षाकृत कमजोर है। शिवसेना शिंदे (30–35) और अन्य दल (35–40) निर्णायक भूमिका में हैं। यह मराठवाड़ा में भाजपा के लिए चेतावनी मानी जा रही है।

वसई-विरार महानगरपालिका

यहां राष्ट्रीय दलों से ज्यादा स्थानीय और अन्य दलों (45–55) का प्रभाव है। भाजपा 40–50 सीटों के साथ मुकाबले में है, लेकिन स्पष्ट बहुमत से दूर नजर आती है।

ठाणे महानगरपालिका

ठाणे शिवसेना शिंदे गुट का सबसे मजबूत किला साबित होता दिख रहा है। 50–55 सीटों का अनुमान उन्हें स्पष्ट बढ़त देता है। भाजपा 25–30 पर सिमटती नजर आती है, जबकि उद्धव ठाकरे गुट 8–12 सीटों तक सीमित रह सकता है।

पनवेल महानगरपालिका

भाजपा 50–55 सीटों के साथ स्पष्ट बढ़त में है। उद्धव ठाकरे गुट और एनसीपी सीमित भूमिका में हैं।

सोलापुर महानगरपालिका

भाजपा 55–65 सीटों के साथ आगे है। शिवसेना शिंदे और एनसीपी दोनों 8–12 के दायरे में हैं। कांग्रेस भी सीमित असर में है।

नवी मुंबई महानगरपालिका

नवी मुंबई में भाजपा (58–62) और शिवसेना शिंदे (44–48) का दबदबा है। विपक्ष लगभग साफ होता दिख रहा है, जिससे महायुति की सरकार बनना तय माना जा रहा है।

नाशिक महानगरपालिका

नाशिक में भाजपा 55–65 सीटों के साथ आगे है, लेकिन शिवसेना शिंदे (32–35) सत्ता संतुलन बिगाड़ सकती है। कांग्रेस और एनसीपी दोनों 5–6 सीटों तक सिमटी हैं, जिससे क्षेत्रीय प्रभाव कमजोर हुआ है।

भिवंडी-निजामपुर महानगरपालिका

इस निगम में कांग्रेस (25–30) और अन्य दल (30–35) मजबूत हैं। भाजपा 18–22 पर सिमटी है, जो शहरी मुस्लिम बहुल इलाकों में उसकी चुनौती दिखाता है।

मीरा-भायंदर महानगरपालिका

भाजपा 50–55 सीटों के साथ आगे है। शिवसेना शिंदे 25–30 पर मजबूत सहयोगी बन सकती है। अन्य दल बेहद कमजोर हैं।

नांदेड़ महानगरपालिका

भाजपा 35–40 सीटों के साथ आगे है, लेकिन कांग्रेस 12–17 पर बनी हुई है। यह द्विध्रुवीय मुकाबले का संकेत है।

सांगली महानगरपालिका

सांगली महानगरपालिका में भाजपा 35 से 40 सीटों के साथ बढ़त बनाए हुए है। हालांकि यह बढ़त पूरी तरह सुरक्षित नहीं मानी जा रही। एनसीपी को 15 से 20 सीटें और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना को 7 से 10 सीटें मिलने का अनुमान है, जिससे त्रिकोणीय संघर्ष की स्थिति बन सकती है। स्थानीय मुद्दे, किसान वर्ग की नाराजगी और मराठी अस्मिता से जुड़े सवाल अंतिम नतीजों को प्रभावित कर सकते हैं।

धुले महानगरपालिका

धुले महानगरपालिका में भाजपा की स्थिति बेहद मजबूत मानी जा रही है। अनुमान है कि पार्टी को 45 से 50 सीटें मिल सकती हैं, जिससे उसे स्पष्ट बहुमत मिलना तय माना जा रहा है। अन्य दल सीमित प्रभाव में दिखाई दे रहे हैं और फिलहाल भाजपा को चुनौती देने की स्थिति में नहीं हैं। विकास कार्यों और संगठनात्मक पकड़ का लाभ भाजपा को यहां मिल रहा है।

अमरावती

यहां भाजपा (30–35) और एनसीपी (20–25) के बीच कड़ा मुकाबला है। कांग्रेस 10–15 सीटों के साथ संतुलन बिगाड़ सकती है।

अकोला महानगरपालिका

भाजपा 45–50 सीटों के साथ स्पष्ट बढ़त में है। विपक्ष बिखरा हुआ है

मालेगांव महानगरपालिका

पूरी तरह से अन्य दलों (55–65) का वर्चस्व है। भाजपा-कांग्रेस दोनों हाशिए पर हैं।

जलगांव महानगरपालिका

जलगांव में भाजपा 35 से 40 सीटों के अनुमान के साथ सबसे आगे है। पार्टी का सांगठनिक नेटवर्क और सत्ता में होने का लाभ उसे मजबूती देता दिख रहा है। वहीं शिवसेना शिंदे गुट 12 से 17 सीटों के साथ प्रभावी भूमिका में उभर सकता है। दोनों दलों के बीच तालमेल या टकराव यह तय करेगा कि नगर निगम की सत्ता किसके हाथ में जाएगी।

कल्याण-डोंबिवली

यहां मुकाबला सबसे कांटेदार है। शिवसेना शिंदे 50–55 सीटों के साथ आगे दिख रही है, लेकिन भाजपा 45–50 सीटों के साथ बिल्कुल नजदीक है। उद्धव ठाकरे गुट 10–15 सीटों के साथ किंगमेकर बन सकता है।

कोल्हापुर जलगांव महानगरपालिका

कोल्हापुर महानगरपालिका में कांग्रेस इस समय सबसे मज़बूत स्थिति में नज़र आ रही है। अनुमान के मुताबिक पार्टी को 28 से 32 सीटें मिल सकती हैं, जो पश्चिम महाराष्ट्र में उसके पारंपरिक जनाधार और सांगठनिक मजबूती को दर्शाता है। सहकार आंदोलन, ग्रामीण-शहरी समीकरण और स्थानीय नेतृत्व कांग्रेस के पक्ष में जाता दिख रहा है। वहीं भाजपा 20 से 25 सीटों के साथ मुख्य प्रतिद्वंद्वी बनी हुई है।

उल्हासनगर महानगरपालिका

उल्हासनगर में शिवसेना शिंदे गुट (35–40 सीटें) और भाजपा (28–32 सीटें) के बीच सीधा मुकाबला देखने को मिल रहा है। दोनों ही दलों का शहरी वोट बैंक पर मजबूत प्रभाव है। ऐसे में नगर निगम की सत्ता गठबंधन के समीकरणों पर निर्भर करेगी। चुनाव के बाद कौन किसके साथ जाता है, यही अंतिम तस्वीर तय करेगा।

चंद्रपुर महानगरपालिका

चंद्रपुर महानगरपालिका में भाजपा और कांग्रेस दोनों को 22 से 27 सीटें मिलने का अनुमान है। दोनों प्रमुख दलों के बीच लगभग बराबरी का मुकाबला है, जिससे यह निगम त्रिशंकु स्थिति की ओर बढ़ता दिख रहा है। पर्यावरण, रोजगार और औद्योगिक मुद्दे यहां मतदाताओं के निर्णय को प्रभावित कर रहे हैं।

परभणी महानगरपालिका

परभणी में एनसीपी 15 से 20 सीटों के साथ मजबूत स्थिति में है, जबकि उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना को 10 से 15 सीटें मिलने का अनुमान है। भाजपा यहां अपेक्षाकृत पीछे चल रही है। मराठवाड़ा में एनसीपी का सामाजिक आधार और स्थानीय नेतृत्व उसे बढ़त दिला रहा है, जिससे सत्ता समीकरण दिलचस्प बन गए हैं।

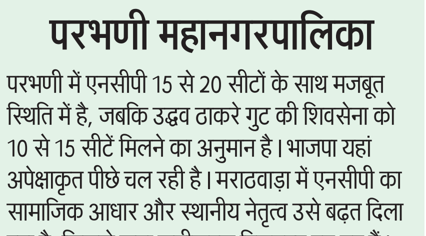

इचलकरंजी महानगरपालिका

इचलकरंजी में भाजपा 30 से 40 सीटों के साथ आगे जरूर है, लेकिन अन्य दलों की संयुक्त ताकत 20 से 30 सीटों तक पहुंच सकती है। कपड़ा उद्योग से जुड़े मुद्दे, व्यापारिक वर्ग की नाराजगी और स्थानीय नेतृत्व का असर चुनावी परिणामों पर साफ दिखाई दे रहा है। भाजपा को यहां पूरी तरह निश्चिंत नहीं माना जा रहा।

जालना महानगरपालिका

जालना महानगरपालिका में भाजपा 28 से 33 सीटों के साथ बढ़त बनाए हुए है। हालांकि शिवसेना शिंदे गुट 20 से 25 सीटों के साथ उसे कड़ी चुनौती दे रहा है। दोनों दलों के बीच सीधा संघर्ष देखने को मिल रहा है और अंतिम नतीजे काफी हद तक प्रचार, स्थानीय मुद्दों और मतदान प्रतिशत पर निर्भर करेंगे।

चाचा-भतीजे की जोड़ी बेअसर!

पुणे और पिंपरी-चिंचवड में बीजेपी

डीबीडी संवाददाता । पुणे

पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ में भाजपा एक बार फिर सभी प्रतिद्वंद्वियों पर भारी पड़ती दिख रही है। ताज़ा जनमत एग्जिट पोल के अनुसार, दोनों नगर निगमों में भाजपा अकेले ही अपनी बढ़त बनाए हुए है। इस चुनाव की सबसे बड़ी चर्चा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के दोनों गुटों—शरद पवार और अजित पवार—के बीच हुआ गठबंधन था। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना था कि चाचा-भतीजे की यह एकजुटता भाजपा को कड़ी चुनौती देगी, लेकिन एग्जिट पोल के रुझान बताते हैं कि यह 'पावर पैक' गठबंधन भी फिलहाल भाजपा के विजय रथ को रोकने में नाकाम साबित हो रहा है।

अजित पवार की साख दांव पर और भाजपा की रणनीतिक बढ़त

पिंपरी-चिंचवड़ को 'डेट्रॉयट ऑफ द ईस्ट' और एशिया के सबसे धनी नगर निगमों में से एक माना जाता है, जहाँ के पालक मंत्री खुद अजित पवार हैं। ऐसे में यहाँ उनकी प्रतिष्ठा पूरी तरह दांव पर लगी थी। अजित पवार ने चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए थे, लेकिन जनता का मूड भाजपा के पक्ष में झुकता दिख रहा है। दूसरी ओर, पुणे में भाजपा ने करीब 40 पूर्व नगरसेवकों के टिकट काटकर बड़ा जोखिम लिया था, जिनमें से कई बागी नेता अजित पवार गुट में शामिल हो गए थे। इसके बावजूद, भाजपा अपनी जमीनी पकड़ मजबूत बनाए रखने और सत्ता बरकरार रखने की ओर अग्रसर है।

एग्जिट पोल के आंकड़े : बहुमत की दहलीज पर 'कमल'

एग्जिट पोल के आंकड़ों के अनुसार, पुणे नगर निगम (PMC) में भाजपा 93 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभर रही है। यहाँ अजित पवार गुट को 43, जबकि शरद पवार की एनसीपी और कांग्रेस को मात्र 8–8 सीटें मिलने का अनुमान है। वहीं, पिंपरी-चिंचवड़ (PCMC) में भी तस्वीर कुछ ऐसी ही है। यहाँ बहुमत का आंकड़ा 64 सीटों का है और भाजपा ठीक 64 सीटों के साथ सत्ता में वापसी करती दिख रही है। पिंपरी में अजित पवार की एनसीपी को 51 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि शरद पवार गुट केवल 2 सीटों पर सिमटता नजर आ रहा है।

शुक्रवार को होगा महा-फैसला : क्या हकीकत बनेंगे अनुमान?

पुणे के इन दोनों प्रमुख शहरों में 2017 के चुनाव में भी भाजपा ने जीत हासिल की थी। आरक्षण और अन्य कानूनी अड़चनों के कारण 2022 से टलते आ रहे ये चुनाव अब 15 जनवरी 2026 को संपन्न हुए हैं। हालांकि ये केवल एग्जिट पोल के अनुमान हैं, लेकिन इन्होंने महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल बढ़ा दी है। अब सबकी निगाहें कल यानी शुक्रवार (16 जनवरी) को आने वाले आधिकारिक नतीजों पर टिकी हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या भाजपा वास्तव में अपना किला बचाने में सफल रहती है या विपक्षी गठबंधन कोई बड़ा उलटफेर करने में कामयाब होता है।

लातूर महानगरपालिका

लातूर में कांग्रेस 28 से 33 सीटों के साथ बढ़त बनाए हुए है, जो मराठवाड़ा में उसके पुनरुत्थान का संकेत माना जा रहा है। भाजपा भी 25 से 29 सीटों के साथ कड़ी टक्कर दे रही है। सामाजिक समीकरण, स्थानीय नेतृत्व और विकास के मुद्दे यहां निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। मुकाबला बेहद करीबी रहने के आसार हैं।

अहिल्यानगर महानगरपालिका

अहिल्यानगर में मुकाबला बेहद रोचक और कांटे का माना जा रहा है। भाजपा को 19 से 24 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि एनसीपी 20 से 25 सीटों के साथ लगभग बराबरी पर है। किसी एक दल को स्पष्ट बहुमत मिलना मुश्किल लग रहा है। ऐसे में छोटे दल और निर्दलीय उम्मीदवार सत्ता संतुलन की कुंजी साबित हो सकते हैं।